हिन्दी अनुभाग

राष्ट्रभाषा राष्ट्र की रीढ़

हमारे प्राचीन ग्रंथो में एक अत्यन्त प्रेरणास्पद कहानी आती है। किसी राज्य में राजा ने एक सुंदर मीनार बनवाने का निश्चय किया। उसकी इच्छा थी कि मीनार पर भले ही खूब धन खर्च हो जाए, किन्तु वह ऐसी शानदार बने की उसकी चर्चा सारी दुनिया मं हो। उसे देखने के लिए देश-विदेश से लोग आएं। राजा को स्थानीय कारीगरों से यह उम्मीद नहीं थी कि वे ऐसी उम्दा मीनार बना पाएगें। इसलिए उसने अलग-अलग देशों के उत्कृष्ट कारीगरों को बुलाया। जब वे सारे आ गए तो राजा ने एक दिन मीनार के स्थान पर भूमि पूजन करवाया और अगले दिन से काम शुरू हो गया। लेकिन शीघ्र ही एक बड़ी कठिनाई आ गई। बाहर से आए हुए कारीगर अलग-अलग देशों के थे, इसलिए वे एक दूसरे की भाषा नहीं समझते थे, परिणाम ये हुआ जब कारीगर मसाला माँगता तो मजदूर ईंट पकड़ा देते। ऐसा काफी समय तक चलता रहा। राजा भी इस बात से काफी परेशान हुआ और असमंजस के कारण मीनार पूरी नहीं बन पाई और राजा ने सभी कारीगरों को धन्यवाद सहित वापिस अपने-अपने देश लौटा दिया। प्राचीन ग्रंथों की यह कहानी प्रतीकात्मक है।

यह संकेत है कि जन भाषा के अभाव में मीनार नहीं बन सकी तो बिना राष्ट्रभाषा के मजबूत राष्ट्र का निर्माण कैसे हो सकता है? हम सभी को यह तथ्य समझ लेना चाहिए कि राष्ट्रभाषा किसी राष्ट्र की रीढ़ होती है। इसलिए हिन्दी के अधिकाधिक उपयोग के द्वारा हम भारत को एकता की डोर में बांधकर उसके विकास को सुनिश्चित करना चाहिए।

काजल (छात्र सम्पादिका)

बी.ए. प्रथम

रोल नं. 1210421002297

राष्ट्रभाषा के बिना
एक राष्ट्र गूँगा है

महात्मा गाँधी

जिद्द करो

जिद करो कि दुनिया बदल जाए,
जिद हो ऐसी जो गलत को सही कर जाए।
सहरा में नदियां बहने लगे,
बंजर धरा भी हरी हो जाए।
जिद हो हर भूखे को रोटी मिले,
जिद हो ऐसी जो रोते को हंसा जाए।
हौंसला दो किसी की टूटती उम्मीदों को,
हाथ दो किसी के थकते कदम को।
जिद हो आंधी में दीया जला दे,
जिद हो ऐसी जो रास्तों के लिए चट्टान हिला दें।
हर बात सिर झुकाकर मान लेना बुजदिली है,
कई बार जिद करना भी जरूरी है।
जिद हो कि सत्य ना छिपे कभी,
जिद हो सत्याग्रह न रूके कभी।
ख्वाब किसी के पूरे करो,
कि कोई तुमसे भी प्यार करें।

प्रवीन
बी.ए. प्रथम
रोल नं. 1210421002187

पेड़

मैं हूं पेड़ मुझे मत काटो
टुकड़ो-टुकड़ो में मुझे मत बांटो।
दर्द मुझे भी होता है....
मन मेरा भी रोता है
मैं हूं मित्र तुम्हारा
सखा हूं सबसे न्यारा।
मेरे फल खुद नहीं खाता हूं....
सब तुम्हें ही तो दे जाता हूं।
जहरीली गैस भी पी जाता हूं
शुद्ध हवा तुम तक पहुंचाता हूं।
सूरज का भी ताप सहूं
मैं हूं जीवन का आधार।
सुनो बात तुम कान लगाकर,
वृक्षो का करना सम्मान
मैं हूं जीवन का आधार।

अन्शु
बी.ए. प्रथम
रोल नं. 1210421002127

शिक्षक

जीवन है संघर्ष का नाम,
संघर्ष करना सिखाते है शिक्षक॥
देकर अपने जीवन का अमूल्य ज्ञान,
हमें योग्य इंसान बनाते है शिक्षक॥
अंधेरी रातों में दीपक बनकर,
जीवन को रोशन बनाते है शिक्षक॥
गिरते हुए को उठाते है शिक्षक,
जीवन की राह दिखाते है शिक्षक॥
इस दुनिया और देश के लिए,
एक आदर्श समाज बनाते है शिक्षक॥
बनी रहे शांति विश्व में,
यही संदेश देते है शिक्षक॥

भूमिका
बी.ए. प्रथम
रोल नं. 121042100208

मेहनत का फल

एक गांव में दो मित्र राम और सोहन रहते थे। राम बहुत धार्मिक था और भगवान को बहुत मानता था। जबकि सोहन बहुत मेहनती था। एक बार दोनो ने मिलकर एक बीघा जमीन खरीदी। जिससे वह बहुत फसल उगाकर अपना घर बनाना चाहते थे। सोहन तो खेत में बहुत काम करता लेकिन राम कुछ काम नहीं करता बल्कि मंदिर में जाकर भगवान से अच्छी फसल के लिए प्रार्थना करता था। इसी तरह समय बीतता गया। कुछ समय बाद खेत की फसल पक कर तैयार हो गयी। जिसको दोनो मित्र ने बाजार ले जाकर बेच दिया और उनको अच्छा पैसा मिला। घर आकर सोहन ने राम को कहा कि इस धन का ज्यादा हिस्सा मुझे मिलेगा क्योंकि मैनें खेत में ज्यादा मेहनत की है। यह बात सुनकर राम बोला नहीं धन का तुझसे ज्यादा हिस्सा मुझे मिलना चाहिए क्योंकि मैंने भगवान से इसकी प्रार्थना की तभी हमको अच्छी फसल हुई। भगवान के बिना कुछ सम्भव नहीं है। जब वह दोनो इस बात को आपस में नहीं सुलझा सके तो धन के बंटवारे के लिए दोनो गांव के मुखिया के पास गए। मुखिया ने दोनो को सारी बात सुनकर उन दोनो को एक–एक बोरा चावल का दिया। जिसमें कंकड़ मिले हुए थे। मुखिया ने कहा कि कल सुबह तक तुम दोनो को इसमें से चावल और कंकर अलग करके लाने है जब मैं निर्णय करूंगां कि इस धन का ज्यादा हिस्सा किसको मिलना चाहिए। दोनों बोरी लेकर अपने घर चले गए। सोहन ने रात भर जागकर चावल और कंकड़ को अलग किया। लेकिन राम चावल की बोरी को लेकर मंदिर में गया और भगवान से चावल में से कंकड़ अलग करने की प्रार्थना की। अगले दिन सुबह सोहन जितने चावल और कंकड़ अलग कर सका उसको ले जाकर मुखिया के पास गया। जिसे देखकर मुखिया खुश हुआ। राम वैसी की वैसी बोरी को ले जाकर मुखिया के पास गया। मुखिया ने राम को कहा कि दिखाओ तुमने कितने चावल साफ किये। राम ने कहा कि मुझे भगवान पर पुरा भरोसा है कि सारे चावल साफ हो गए होंगे। लेकिन जब राम ने बोरी को खोला तो चावल और कंकड़ वैसे के वैसे ही थे। मुखिया ने राम से कहा कि भगवान भी तभी सहायता करते है जब तुम मेहनत करते हो। मुखिया ने धन का ज्यादा हिस्सा सोहन को दे दिया। इसके बाद राम भी सोहन की तरह मेहनती बन गया। अब वह खेत में मेहनत करने गया और अबकी बार उन दोनो मित्रों की फसल और भी अच्छी हुई।

कहानी से शिक्षा : हमें कभी भी भगवान के भरोसे नहीं बैठना चाहिए।

सफलता प्राप्त करने के लिए मेहनत करनी चाहिए

प्रवेश कुमार

बी.ए. प्रथम

"खुद पर कर यकीन, मंजिल की ओर चल दे
ना हो हताश–परेशान, अपने इरादों को बल दे"

हिन्दी भाषा

प्रकृति की पहली ध्वनि ऊँ है,
मेरी हिन्दी भाषा भी, इसी ऊँ की देन है।
देवनागरी लिपि है इसकी, देवों की कलम से उपजी,
बांगला, गुजराती, भोजपुरी, डोगरी, पंजाबी और कई,
हिंदी ही है इन सबकी जननी।
प्रकृति की हर इक चीज अपने में संपूर्ण है,
मेरी हिन्दी भाषा भी अपने में संपूर्ण है।
जो बोलते हैं, वही लिखते हैं,
मन के भाव सही उभरते हैं।
हिन्दी भाषा ही तुम्हे, प्रकृति के समीप ले जाएगी,
मन की शुद्धि, तन की शुद्धि, सहायक यह बन जाएगी।
कुछ हवा चलती है ऐसी यहाँ,
कहते हैं इस मातृ भाषा को बदल डालो।
बदल सको क्या तुम अपनी माता को ?
मातृभाषा का क्यों बदंलाव करो।
देवो की भाषा का क्यों तुम तिरस्कार करो।
बदल सको तो तुम अपनी सोच को बदल डालो
हर इक भाषा का तुम दिल से सम्मान करो।
हिन्द की जड़ों पर आओ हम गर्व करें।
हिन्दी भाषा पर आओ हम गर्व करें।

शरणजीत
बी.ए. द्वितीय
रोल नं. 120042002089

जिद्द मंजिल पाने की

क्या हुआ जो आज मैं,
एक आम इन्सान हूँ।

इक दिन खास बन दिखाऊगाँ....
जिद्द है, मेरी.....

दुनिया में नया कीर्तिमान रचाऊगाँ।
इतिहास में एक सुनहरा है अध्याय
मैं अपना भी जोड़ जाऊगाँ।
ना रूकुगाँ....., ना थकूगाँ..... , ना झुकुगाँ.....
ना पीछें मुड़ देखूगाँ ।

आग है सीने में, जज्बा साँसों में,
उम्मीद है आँखों में, इसको साकार रूप दे जाऊगाँ,
एक दिन मैं भी खास दिखाऊगाँ।
जिद्द है.....
चाहे लाख हो दीवारें .....
चाहे हो अनगिनत परस्थितियाँ
सबको मैं पीछे छोड़ जाऊगाँ।
हजारो बार गिरूगाँ, फिर खड़ा हो जाऊगाँ
लेकिन उम्मीद की एक किरण न छोड़गाँ।
इक दिन मंजिल जरूर पाऊगाँ,
जिद्द है.....

मीना
बी. ए. प्रथम
रोल नं. 1210421002154

गुरू

जीवन के घोर अन्धेरों में, प्रकाश जो बन कर आता है,
हर लेता है जो दुख सारे, खुशियों की फसल उगाता है।
न कोई लालच करता है, सच्चाई का सबक सिखाता है,
सागर के ज्ञान से भरा हुआ, बस वही गुरू कहलाता है।
नई एक राह दिखाकर हमकों, सभी संशय मिटाता है,
सागर के ज्ञान से भरा हुआ, बस वही गुरू कहलाता है।
अज्ञानी को ज्ञान वो दे, अलग नई पहचान वो दे,
जब लगने लगे हम थक से गए,
नई ऊर्जा, नया ज्ञान वो दे।
सागर के ज्ञान से भरा हुआ, बस वही गुरू कहलाता है।

अंशु
बी.ए. प्रथम
रोल नं. 1210421002127

बेटी की विनती

नही करनी मुझे शादी, ना होना मुझे पराई है
कैसे दूर रहूँगी माँ, यही सोचकर आँख भर आई है।।

सुनकर बेटी की बात माँ धीरे से मुस्कुराती है,
है पास बुला, बैठा प्यार से उसको कुछ समझाती है।

ये रीत पुरानी है बिटिया, इसे हम सबको निभानी है,
आज नहीं तो कल बेटी तो अपने घर जानी है।

ये सिर्फ तुम्हारी नहीं, हम सबकी यही कहानी है,
जिसे बड़ा किया अरमानों से वो बेटी एक दिन ब्याहनी है।

अपनी क्षमता से ज्यादा, हम वर तुम्हारा ढूंढेगें,
कह रही हो जिन्हे पराया, हमसे ज्यादा खुश रखेगें।

इस घर जितना स्नेह मिला, उस घर को उतना देना,
कोई गुस्से में कुछ कह भी दे तो तुम दिल पर मत लेना।

साहिल
बी.ए. प्रथम
रोल नं. 1210421002407

''बेटियाँ सबके नसीब में कहाँ होती है
घर जो खुदा को पसंद आए वहाँ होती हैं''

फिर से वही दौर आएगा

यकीनन फिर से वही दौर आएगा,
सुनसान पड़ी सड़कों पर खुशी का दौर आएगा।
इस वक्त को थोड़ा संभाल कर है जीना,
ये जिन्दगी है जनाब बार-बार मोड़ आएगा।

अमीर हो या गरीब सब घरों में कैद है,
महामारी है ऐसी ना कोई मजहबी भेद है।
हम सबको मिलकर लड़ना होगा ना कोई और आएगा,
यकीनन फिर से वही दौर आएगा ।
सुनसान पड़ी सड़कों पर खुशी का शोर आएगा।

जितना मुमकिन हो पाएगा, उससे ज्यादा कर दिखएगें,
हर हाल, हर कीमत पर अपने देश को बचाएगें।
होनी को तो सिर्फ वक्त ही दिखाएगा,
यकीनन फिर से वही दौर आएगा।
सुनसान पड़ी सड़कों पर खुशी का दौर आएगा।

संजय
बी.ए. प्रथम
रोल नं. 1210421002234

दोस्ती

बचपन के लम्हों में जो साथ थे, वो दोस्त याद आते हैं,
गिल्ली डंडे की टीम साथ थे वो दोस्त याद आते हैं।
जब भी पीछे मुड़कर देखा तो, वो दोस्त याद आते हैं,
माना अब साथ नहीं वो लम्हें,
पर आज भी मुस्कान में छिपे वो दोस्त याद आते हैं।
जरूरी नहीं की सच्चे दोस्त सिर्फ काम आसान करें,
कुछ करीबी दोस्त काम बिगाड़कर दोस्ती जाहिर कर जाते हैं।
किस हद तक जाना है ये कौन जानता है?
किस मंजिल को पाना है ये कौन जानता है?
दोस्ती के ये दो पल जी भर के जी लो,
किस रोज बिछड़ जाना है ये कौन जानता है?

पूनम
बी.ए. प्रथम
रोल नं. 1210421002167

बेटी

सब रोगो की दवा है बेटी
जीवन की इक आस है बेटी
ममता का सम्मान है बेटी
माता-पिता का मान है बेटी
आँगन की तुलसी है बेटी
पूजा की कलसी है बेटी
सृष्टि है शक्ति की बेटी
श्रद्धा है विश्वास है बेटी
जीवन की इक आस है बेटी

अंशु
बी.ए. प्रथम
रोल नं. 1210421002127

बच्चों से बचपन छीनता फोन

आज के समय में मोबाईल फोन जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। वर्तमान समय में छोटे बच्चे, युवा तथा बुजुर्ग व्यक्ति मोबाईल फोन की दुनिया में धंसते चले जा रहे है। आजकल के समय में बच्चे तथा युवा इस मोबाईल फोन के आदि बनते जा रहे हैं। आज के समय में फोन ने बच्चों का बचपन छीन लिया है। मोबाईल फोन ने बच्चों से कंचा, गिल्ली-डंडा, रस्सी कूद, लँगड़ी टाँग, पकड़म-पकड़ाई आदि खेलों को छीन लिया। दिन-प्रतिदिन मोबाईल फोन बच्चों को अपनी राह से भटका रहे हैं। मोबाईल फोन में अश्लीलता दिखाई जा रही है। बच्चे और युवा इस अश्लीलता के आदि होते जा रहे हैं। आजकल के बच्चे फोन पर ही निर्भर हो गए हैं। फोन के कारण बच्चे तथा युवा सामाजिक बोलचाल तथा समाज में उठना-बैठना भूल गए हैं। उन्हें समाज की किसी भी गतिविधियों से कोई मतलब नहीं रहा। बच्चे इसी कारण से घर से बाहर खेलने-कूदने जाने से भी वंचित हो गए हैं। कहीं ना कहीं मोबाईल के कारण बच्चे अपनी राह से भटक कर बचपन से बिछुड़ते जा रहे हैं। अत: आज इस बात की जरूरत है कि फोन को अपनी जरूरत के अनुसार ही प्रयोग करें और बच्चों को भी समझायें इसे अपनी जरूरत के अनुसार ही प्रयोग करें ।

पूनम
बी.ए. प्रथम
रोल नं. 1210421002222

कोशिश कर

कोशिश कर हल निकलेगा,
आज नहीं तो कल निकलेगा।
अर्जुन सा लक्ष्य रख, निशाना लगा,
मरूस्थल से भी जल निकलेगा।
मेहनत कर पौधो को पानी दे,
बंजर में भी फिर फल निकलेगा।

ताकत जुटा हिम्मत को आग दे,
फौलाद का भी, बल निकलेगा।
सीनें में उम्मीदों को जिंदा रख,
समंदर से भी गंगाजल निकलेगा।

कोशिशें जारी रख कुछ कर गुजरने की,
जो कुछ थमा-थमा है, चल निकलेगा।
कोशिश कर हल निकलेगा,
आज नहीं तो कल निकलेगा।।

नवीन
बी.ए. प्रथम
रोल नं. 1210421002247

शिक्षा

परिचय

किसी भी व्यक्ति की प्रथम पाठशाला उसका परिवार होता है और माँ को पहली गुरू कहा गया है। शिक्षा वो अस्त्र है, जिसकी सहायता से बड़ी से बड़ी समस्या का सामना किया जा सकता है, वह शिक्षा ही है, जिससे हमें सही–गलत का भेद पता चलता है। शिक्षा पर अनेकों निबन्ध लिखे गए हैं और आगे भी लिखे जाएगें। इसकी अहमियतता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है, एक वक्त की रोटी न मिले तो, चलेगा लेकिन शिक्षा मिलनी जरूरी है। शिक्षा पाना प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार है। शिक्षा एक महत्वपूर्ण उपकरण है, जो हर किसी के जीवन में होना जरूरी है। शिक्षा वह हथियार है जो व्यक्ति को पृथ्वी पर अन्य जीवित प्राणियों से अलग करती है। यह मनुष्य को सशक्त बनाती है और उन्हें जीवन की अन्य चुनौतियों का कुशलता से सामना करने के लिए तैयार करती है।

शिक्षा क्या है

शिक्षा शब्द संस्कृत के 'शिक्ष' धातु से लिया गया है, जिसका अर्थ होता है, सीखना या सिखाना। अर्थात जिस प्रक्रिया द्वारा अध्ययन और अध्यापन होता है, उसे शिक्षा कहते हैं।

शिक्षा क्यों जरूरी है

शिक्षा एक अच्छे और कुशल जीवन के लिए बहुत आवश्यक है। शिक्षा के माध्यम से ही हम अपने सपने पूरे कर सकते हैं। बिना शिक्षा के हम कोई भी मुकाम हासिल नहीं कर सकते। आजकल जीविकोपार्जन करना हर किसी की जरूरत है, जिसके लिए आपका शिक्षित होना अत्यंत आवश्यक है। आज की पीढ़ी का बिना पढ़े–लिखे भला नहीं हो सकता है।

शिक्षा से ही रोजगार के अवसरों का सृजन होता है। आज वही देश सबसे ज्यादा ताकतवरों की श्रेणी में आता है, जिसके पास ज्ञान की शक्ति है। अब वो दिन गए जब तलवारों और बंदूकों से लड़ाईयाँ लड़ी जाती थी, अब तो बिना खून–खराबे के दिमाग से और केवल दिमाग से ही बड़ी–बड़ी लड़ाईयाँ जीती जा सकती हैं।

शिक्षा का अधिकार

वैसे शिक्षा पाना हर किसी का अधिकार है। अब इस तथ्य को देखते हुए कानून बन गया है, इसका तात्पर्य यह हुआ कि अब हर किसी को अपने बच्चों को पढ़ाना अनिवार्य है। नि:शुल्क एवं अनिवार्य 'बाल शिक्षा अधिनियम' के नाम से यह कानून 2009 में लाया गया । शिक्षा का अधिकार हमारे देश के संविधान में वर्णित मूल अधिकारों में से एक है।

उपसंहार

शिक्षा को सुलभ बनाने के लिए देश में शैक्षिक जागरूकता फैलाने की जरूरत है, लेकिन शिक्षा के महत्व का विश्लेषण किए बिना यह अधूरा है।

राजीव
बी.ए. प्रथम
रोल नं. 1210421002243

बदलते रिश्ते

रिश्ते जताने लोग मेरे घर भी आएगें,
फल आए हैं पेड़ पर तो पत्थर भी आएगें।

जब चल पडे हो सफर को तो फिर हौंसला रखो,
सहारा कहीं, कहीं पर समंदर भी आएगें।

कितना गुरूर था उन्हें अपनी उड़ान पर,
उसको खबर न थी कि मेरे पर भी आएगें।

मशहूर हो गया हूँ तो जाहिर है दोस्तो,
इल्जाम सौ तरह के मेरे सर भी आयेगें।

थोड़ा सा अपनी चाल बदल कर चलो मिजाज
सीधे चले तो पीठ में खंजर भी आएगें।

पूनम
बी.ए. द्वितीय वर्ष
रोल नं. 1210422002080

मेरा शिक्षक

जीवन में जो राह दिखाए,
सही तरह चलना सिखाए।
माता-पिता से पहले आता,
जीवन में सदा आदर पाता।

सबको मान प्रतिष्ठा जिससे,
सीखी कर्त्तव्यनिष्ठा जिससे।
कभी रहा न दूर मैं जिससे,
वह मेरा पथ-पथदर्शक है।
मेरे मन को भाता,
वह मेरा शिक्षक कहलाता।

कभी है शांत, कभी धीर,
स्वभाव में सदा गंभीर।
मन में दबी रहे ये इच्छा,
काश मैं उस जैसा बन पाता,
जो मेरा शिक्षक कहलाता।

रितु रानी
बी.ए. प्रथम
रोल नं. 1210421002107

वो हूँ मैं...

जिसे निभा न सकूँ
ऐसा वादा नहीं करती....
मैं बाते अपनी औकात से
ज्यादा नहीं करती....
भले ही तमन्ना रखती हूँ
आसमान छू लेने की।
लेकिन और को गिराने का,
इरादा मैं नहीं रखती....।

पूजा
बी.ए. तृतीय वर्ष
रोल नं. 2993320139

कविता

कुछ करना है, तो डटकर चल,
थोड़ा दुनिया से हटकर चल।
लीक पर तो सभी चल लेते हैं,
कभी इतिहास को पलटकर चल।

बिना काम के मुकाम कैसा,
बिना मेहनत के दाम कैसा।
जब तक ना हासिल हो मंजिल,
तो राह में आराम कैसा ।

अर्जुन सा निशाना रख,
ना मन में कोई बहाना रख,
लक्ष्य सामने है, बस उसी पर ठिकाना रख।

सोच मत साकार कर,
अपने कर्मो से प्यार कर।
मिलेगा तेरी मेहनत का फल,
किसी ओर का ना इंतजार कर ।

जो चले थे अकेले आज उनके पीछे मेले है,
और जो करते रहे इंतजार उनकी,
जिंदगी में आज भी झमेले है।।

रमनदीप कौर
बी.ए. प्रथम
रोल नं. 1210421002135

मैं थका हूँ, हारा नहीं

पैरों में छाले हैं, कदम लड़खड़ाए हैं,
किस्मत का मारा हूँ, घबराया नहीं हूँ,
मैं थका हुआ हूँ, हारा नहीं हूँ मैं...।

लोग बदलते देखे हैं, मिजाज बदलते देखे हैं,
ठोकर खाया हूँ, डगमगाया नही हूँ,
मैं थका हुआ हूँ, हारा नहीं हूँ मैं....।

तारे हैं गर्दिश में आँखें है नमी में,
वक्त का सताया हूँ, घुटने टिकाया नहीं हूँ,
मैं थका हुआ हूँ, हारा नही हूँ मैं....।

विरोधी सामने हैं, कुटिल पीछे हैं,
घर आया हूँ, सर को झुकाया नही हूँ,
मैं थका हुआ हूँ, हारा नहीं हूँ मैं...।

रमनदीप कौर
बी.ए. प्रथम
रोल नं. 1210421002135

पिता का साया

जीवन में पिता का साया,
होती है सूकून भरी छाया।
पिता से जो प्यार है पाया,

पिता है बच्चों का साया।
जिसने बुरी नजरों से बचाया,
जिसने प्यार सदा लुटाया,
तभी पिता वो कहलाया।

पिता ने गिरने से बचाया।
अपने को बैसाखी बनाया,
पिता ने चलना सिखाया।
गिरते हुए हृद्य से लगाया।

पिता ने मुझे पैरों पर खड़ा कराया
मंजिल का रास्ता मुझे दिखाया।
पिता ने मेरे कष्टों को भगाया,
मेरा बोझ अपने कँधों पर उठाया।

स्नेहा
बी.ए. प्रथम
रोल नं. 1210421002011

रब की परछाई माँ

माँ तो आखिर होती है माँ,
अपने सपनों को त्यागकर,
रातों को जागकर।
हमारी ख्वाहिशें करती है पूरी,
उनकी बिना तो जिन्दगी अधूरी,
ममतामयी आँचल है जिनकी,
जैसे गौरी और जानकी।
खुशियों की तो यह है मोती,
माँ की आँखों में करूणा की ज्योति।
रिश्तों को ये संजोए रखती,
सार दर्द खुद ही सह लेती।
अपनों पर जब है संकट आता,
मौत से भी लड़ने का मन बन जाता।
कभी दुर्गा, कभी चंडी बन जाती,
जब बात अपने बच्चों पर आती।
रब की परछाई होती है, माँ,
माँ तो आखिर होती है, माँ।

काजल
बी.ए. प्रथम
रोल नं. 1210421002297

मेरे माता पिता मेरी दौलत मेरी शान है
उनके कदमों की धूल में ही मेरा जहान है..!!

पंछी और इंसान

तन्हा बैठी थी एक दिन, मैं अपने मकान में
चिड़िया बना रही थी घोंसला रोशनदान में।
पलभर में आती पलभर में जाती थी वो,
छोटे-छोटे तिनके चोंच में भरकर लाती थी वो।
बना रही थी वो अपना घर एक न्यारा,
बस तिनका था, ना ईंट उसकी ना कोई गारा।
कुछ दिन बाद.....
मौसम बदला, हवा के झोंके आने लगे,
नन्हे से दो बच्चे घोंसले में चहचहाने लगे।
पाल रही थी चिड़िया उन्हें,
पंख निकल रहे थे दोनो के।
पैरों पर करती थी खड़ा उन्हें,
देखती थी मैं हर रोज उन्हें।
जज्बात मेरे उनसे कुछ जुड़ गए
पंख निकलने पर दोनो बच्चे
माँ को छोड़ अकेले उड़ गए।
चिड़िया से पूछा मैने...
तेरे बच्चे तुझे अकेला क्यों छोड़ गए,
तू तो थी माँ उनकी, फिर रिश्ता क्यों तोड़ गए ।
चिड़िया बोली.....
परिन्दे और इन्सान के बच्चे में यही तो फर्क है,
इंसान का बच्चा.....जताता पैदा होते ही अपना हक है।
न मिलने पर वो माँ-पिता को कोर्ट कचहरी भी ले जाता है।
मैनें बच्चों को जन्म दिया।
पर करता कोई मुझे याद नहीं।
मेरे बच्चे क्यों रहेगें साथ मेरे,
क्योंकि मेरी कोई जमीन-जायदाद नहीं।

प्रीति
बी.ए. प्रथम
रोल नं. 1210421002011

किताब

कुछ होती है हल्की,
कुछ होती है भारी।
लेकिन इनमें होती है, दुनिया की हर जानकारी।
अकसर कुछ नया करने का,
इनसे ही बनता ख्वाब है।
जिन्दगी में सबसे अच्छा दोस्त,
कोई और नहीं किताब है।
ज्ञान की ये खान है, होती बहुत महान है
जीवन ये इंसान का बदले,
तभी तो इसकी शान है।
क्या बीता? क्या होता है?
सबका इसमें हिसाब है।
जिन्दगी में सबसे अच्छा दोस्त,
कोई और नहीं किताब है।
कबीर के दोहे हैं इसमें,
संतो की इसमें वाणी है।
पढ़कर इनको लाभ ही होता,
और होती न कोई हानि है।
कोई ऐसा प्रश्न नहीं,
जिसका न इनमें जवाब है।
जिन्दगी में सबसे अच्छा दोस्त,
कोई और नहीं किताब है।
मंजिल पर जो पहुँचाती है,
वही तो ये राह है।
हर जिज्ञासु के मन में,
इसको पाने की चाह है।
ये तो वो सागर है, जिसमें भरा ज्ञानमय आब है।
जिन्दगी में सबसे अच्छा दोस्त,कोई और नहीं किताब है।

अंजलि जैन
बी.ए. तृतीय
रोल नं. 2993320150

सारे बोल जाते हैं

कहाँ पर बोलना था और कहाँ बोल जाते हैं
जहाँ खामोश रहना था वहाँ मुँह खोल जाते हैं।
जब कटा शीश सैनिक का तो हम खामोश रहते हैं,
कटा जब सीन पिक्चर का तो सारे बोल जाते हैं।
नई नस्ल के थे बच्चे, जमाने भर की सुनते हैं,
मगर माता-पिता कुछ बोले तो, ये आगे बोल जाते हैं।
हवाओं की तबाही को सब चुपचाप सहते हैं,
चिरागों से हुई गलती तो सो बोल जाते हैं।
बनाते फिरते हैं रिश्ते जमाने भर से अक्सर,
मगर जब घर में हो जरूरत तो रिश्ते सारे भूल जाते हैं।

सुमन आल्हान
बी.ए. प्रथम
रोल नं. 1210421000396

इन्सान का बेहतर होना गुनाह है

ख्वाबों का रंगीन होना गुनाह है,
इंसान का जहीन होना गुनाह है।
कायरता समझते है लोग मधुरता को,
जुबान का शालीन होना गुनाह है।
खुद की ही लग जाती है नजर,
हसरतों का हसन होना गुनाह है।
लोग इस्तेमाल करते है नमक की तरह,
आंसुओ का नमकीन होना गुनाह है।
दुश्मनी हो जाती है मुफ्त में,
सैकड़ो से, इंसान का बेहतरीन होना गुनाह है।
जिसे निभा न सकूं, ऐसा वादा नही करता,
मैं बातें अपनी औकात से ज्यादा नहीं करता।

लम्हें जिन्दगी के

जिन्दगी को खुशी से बिताना सीख लो,
हर बात पर तुम मुस्कुराना सीख लो ।
गुजरे लम्हों पर आँसु न बहाओ,
जो वक्त पड़ा है उस पर विजय पाओ।
अरमानों को अपने दिल में छिपाना सीख लो,
हर बात पर तुम मुस्कुराना सीख लो।
जीवन में चुनौतियों को सलाम करना सीख लो,
हर मुश्किल को आसान करना सीख लो।
हार कर भी जश्न मनाना सीख लो,
हर बात पर तुम मुस्कुराना सीख लो।
अपने कर्त्तव्य को पहचानना सीख लो
हिम्मत का दामन थामना सीख लो,
हर बात पर तुम मुस्कुराना सीख लो।

भले ही तमन्ना रखता हूं, आसमान छू लेने की,
औरों को गिराने का, इरादा नहीं करता॥

अभिषेक
बी.ए. प्रथम
रोल नं. 210421002095

कविता : निराश न हो

कुछ करना है तो डटकर चल।
थोड़ा दुनियासे हटकर चल।
लीक पर तो सभी चल लेते है
कभी इतिहास को पलटकर चल॥
बिना काम के मुकाम कैसा।
बिना मेहनत के, दाम कैसा।
जब तक ना हाँसिल हो मंजिल
तो राह में, आराम कैसा।
अर्जुन सा निशाना रख।
मन में, ना कोई बहाना रख।
लक्ष्य सामने है, बस उसी पे अपना ठिकाना रख॥
सोच मत, साकार कर।
अपने कर्मो से प्यार कर।
मिलेगा तेरी मेहनत का फल।
किसी ओर का ना इंतजार कर
जो चले थे अकेले उनके पीछे आज मेले है....
जो करते रहे इंतजार उनकी
जिदंगी में आज भी झमेले है।

ममता बिश्नोई
बी.एस. सी (ऑनर्स)
रोल नं. 12104210910011

मुझे कब तक रोकोगे

मुठ्ठी में सपने लेकर
भर कर जेबों में आशाएँ
दिल में है अरमान यहीं
कुछ कर जाएँ कुछ कर जाएँ

सूरज सा तेज नहीं मुझमें
दीपक सा जलता देखोगे
अपनी हद रोशन करने से
तुम मुझको कब तक रोकेगे।

मैं उस माटी का वृक्ष नहीं
जिसको नदियों ने सीचा है
बंजर माटी में पलकर मैनें
मृत्यु से जीवन खींचा है।

मैं पत्थर पर लिखी इबारत हूँ
शीशे से कब तक तोड़ोगे
मिटने वाला मैं नाम नहीं
तुम मुझको कब तक रोकोगे
तुम मुझको कब तक रोकोगे

इस जंग में जितने जुल्म नहीं
उतने सहने की ताकत है
तानों के शोर में भी रहकर
सच कहने की आदत है।

मैं सागर से भी गहरा हूँ
तुम कितने कंकड़ फेकोगे
चुन-चुन कर आगे बढूंगा मैं
तुम मुझको कब तक रोकोगे॥

झुक झुक कर सीधा खड़ा हुआ,
अब फिर झुकने का शौक नहीं
अपने ही हाथों रचा स्वयं।
तुमसे मिटने का खौफ नहीं।

तुम हालातो की भट्ठी में
जब जक मुझको झोकेगे
तप तप कर सोना बनूंगा।
तुम मुझको कब तक रोकोगे

रिया
बी.एस. सी (ऑनर्स)
रोल नं. 121042109013

मैं हिन्दी हूँ

मैं हिन्दी हूं

मेरी बातों में, तुम्हारे जज्बातों में

हिन्दी फिल्मों के गीतों मं

बारिश के छींटो में

बूंदो की डाटो में, गलियों में चाटों में

बनारस के घाटों में, हामिद के चिमटे में

देश की माटी में, गांधी की लाठी में

दिया की बाती में, राजस्थान की रेती में

वीरों की क्रांति में

फगुआ, बिरहा जैसे लोकगीतों में

देश के इन बढ़ते डलते हालातों में

मस्जिद के नमाज तथा मंदिर कें घंटो में

''हरिऔध'' की कहानी में

युवाओं की जवानी में, जिदंगी की रवानी में

मैं हिन्दी हूँ.....अभी थोड़ा लड़खड़ाने लगी हूँ

मैं हिन्दी हूँ

श्वेता

बी.एस.सी. (ऑनर्स)

रोल नं. 1210421002095

सफलता की ओर

राह में मुश्किल होंगी हजार, तुम दो कदम बढ़ओ तो सही,
हो जायेगा हर सपना साकार, तुम चलो तो सही।
मुश्किल इतना भी नहीं, तुम कर ना सको पार,
दूर है मंजिल लेकिन इतनी भी नहीं तुम पा ना सको।
तुम चलो तो सही, तु चलो तो सही,
एक दिन तुम्हारा भी नाम होगा, तुम्हारा भी सत्कार होगा।
तुम कुछ लिखो तो सही, तुम कुछ आगे बढ़ो तो सही,
तुम चलो तो सही, तुम चलो तो सही।
सपनों के सागर में कब तक गोते लगाते रहोगे
तुम एक राह हो चलो तो सही,
तुम उठो तो सही,
तुम कुछ करो तो सही, तुम चलो तो सही
कुछ ना मिला तो तुम सिख जाओगे
जिंदगी का अनुभव साथ ले जाओगे।
गिरते-पड़ते संभल जाओगे।
फिर एक बार, तुम चलो तो सही.....

अभिषेक

बी.ए. प्रथम

रोल नं. 1210421002095

देश भक्ति

यह उन दिनों की बात थी, चुनौतियों से भरी हर रात थी।
जब वीर जवानों ने हमारे, यह संदेश भिजवाया था,
और देश आजाद करवाया था,
हां, यह देश गुलजार है, हवा में इसके प्यार है,
छोटे बड़े सब अपने है खुली आंखे में भी सपने है।
हर पंरिदा आजाद है, सभी भाषाओं का अनुवाद है,
हर बूंद में प्यार है हर रस्म में मिठास है।
रंगमंच है खुशियों का, और भविष्य का भी अंजाम है,
ज्यादा या थोड़ा ही सही पर हर दिल में मौजूद कलाम है।

नवीन

बी.ए. द्वितीय

रोल नं. 120042002206

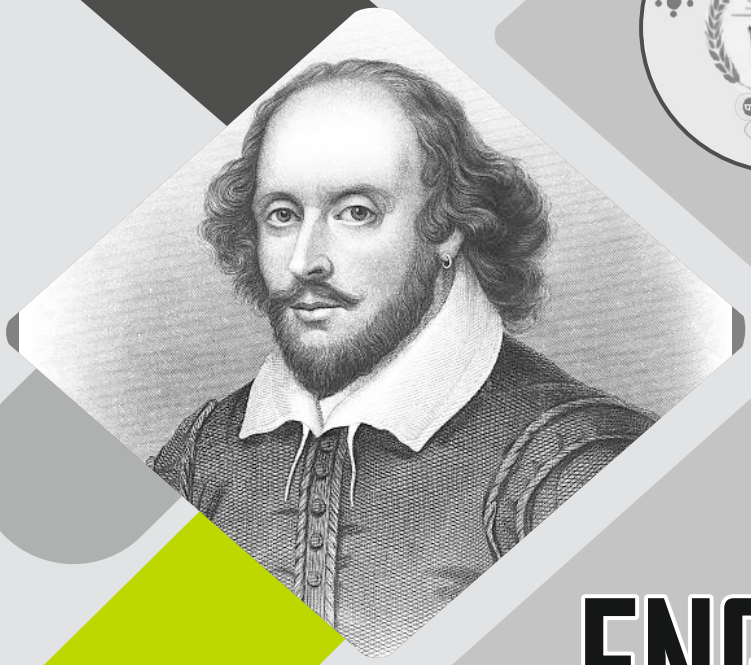

ENGLISH SECTION

Gender Sensitization

Gender sensitization means create awareness about gender issues and encourage behavioral modification towards gender equality through awareness campaigning. Gender is the socially and culturally constructed roles, relations, responsibilities and expectations of women and men. It can change over time and differ from place to place. Sex is the biological phenomena of person. It does not change over time and not differ from place to place.

Gender Discrimination

Gender discrimination is available everywhere e.g. at home, at workplace, at society. Usually women are considered weak not only physically, even in every field. A baby comes as a blank paper. Parents are giving wrong direction to their children and set up the wrong example. For instance, "You cannot speak loudly, because you are a girl". "You cannot play with a doll, because you are a boy". Discrimination is also available in education. Girl children get lesser chance to educate than boys. Girls face restrictions in freedom, feel unsafe and get fewer opportunities than boys. Discrimination is also available at workplace; even some employers do not call for interview if a woman is pregnant.

Gender Stereotypes

A gender stereotypes is preconception about roles that are performed by women and men. Some preconceptions are: "Boys should be used blue and green colour while girls should be used red and pink", "Men are natural leaders while women are natural nurturers". Gender stereotyping becomes harmful or wrongful when it violates human rights and fundamental freedoms.

So what is the solution?
Gender sensitization is the answer for it.

Gender sensitization is modification of behavior towards other gender. Gender equality is not about disrespect or disempowering of men but it is about working together to dismantle power hierarchies. In this process, all genders are taught to respect others irrespective of gender. This will not happen suddenly, it will take time. If gender sensitization is started from childhood at home and school, it will make definitely this world safe and beautiful place. Then no women will be harassed at home or workplace and no men will get frustrated.

Dr. Suman Malik
Department of Computer Science

Importance of Communication

Communication and the need for it to be good has become increasingly important in all fields of life. Communication is a way to pass on information about a certain belief, emotions, feelings and ideas from one person to another or from one person to a group of people. In today's world English is the most important language to communicate with others and socialize.

The formal way of communication is usually, is an official setup and people use more formal language and controlled ways of conveying information. Whereas informal communication is the opposite, there are no set rules and only casual language in such a form of communication.

However, the importance of good communication is an important in any form of communication as it improves the work environment there is no communication gap, all jump on the same bandwagon, one can easily find solutions when they communicate their issues and problems with clarity.

Good communication also help create healthy boundaries in both personal and professional life so it is important to be a good communcator for a stess-free life with no misunderstanding.

Afsana Khan (Student Editor)
B.A. Ist
Roll No. 1210421002050

10 Lines of Friendship

1. Friendship is a selfless relationship between two or more persons with a sense of affection and esteem.
2. Friendship can happen between any individuals irrespective of their geographical boundaries or nationality.
3. Two friends generally keep their heart open for each other and don't keep anything secret.
4. Many people be friend rich individuals for the sake of money and escape the vicinity whenever their friend is in a difficult situation.
5. A true friend will never leave his friends whatever be the situation, and will always stand strong beside them.
6. The friendship acts as a balm on the pain of sorrows, grieves and suffering of life.
7. Friendship can also prosper with animals since they are the one who will never betray you.
8. The adverse conditions helps to test the authenticity of friendship.
9. True friendship is rare to find, but if found it needs to be preserved and nurtured throughout the life.
10. Friendship is a bond which heightens our happiness, lightens our sorrows and brightens our lives.

Priyanka
B.A. Ist
Roll No. 1210421002068

Why Girl Power is Important

We know that we have the power to change our world and we do it everyday. We just need to believe in ourselves and be persistent for what we want.

The truth is that only with the help of women and girls, we can create a better future for everyone. After this, there will be list of reasons why girl power is important.

Girl power has become an essential part of our culture new-a-days due to increase in crimes, rapes etc. Do you know why marriages are not working ? It is because men have became egoistic about their position and think that they have all the rights to abuse women.

Conclusion : We need to teach girls and women about self-defence, so that they knew how to deal with any situation. We have the same thing in common that we want to see an improvement in out world. It is not only one man who can change or bring change; it needs everyone's participation for a brighter future.

Shally
B.A. IInd
Roll No. 1210422002100

Trees

I think that I shall never see a poem lovely as a tree.
A tree whose hungry mouth is prest against the earth's sweet flowing breast ;
A tree that looks at God all day, and lifts her leafy arms to pray ;
A tree that may in summer wear a nest of robins in her hair.
Upon whose bosom snow has lain; who intimately lives with rain.
Poems are made by jools like me, but only God can make a tree.

Chanchal
B.A. Ist
Roll No. 1210421002049

My First Day in College

For me, my first day at the college was the most exciting day of my life. First, I met new students who shared my interest. Secondly it was a whole new experience for me. Thirdly after studying in schools so far, I felt a sense of freedom. Moreover, It was the first day that I started studying something that I really liked. I met lots of boys/girls who were as exicited as me for their fist day at college.

Preeti
B.A. Ist
Roll No. 1210421002200

Success

Success is goal of everyone's life. No one can achieve success in life without hardwork. Everyone in this world has some dream or goal to achieve which works sincerely. It is a good thing to dream about some good life and achieving that goal is our success.

We should work hard and use our time properly to make our life's dream come true. Success come only to those who sincerely work hard for their success. People should use their time properly and work accordingly to make their dreams come true. Failure is also a part of success. We don't need to be dissappointed by our failure, rather we need to learn from our failure.

A Successful person is the one who uses his time properly to achieve his goal. Achieving success requires a lot of hard work, dedication, motivation etc. Success comes only to those who pursue their goal with their determination. It can never be taken advantage to by those people who only dream of being successful in their goal and do nothing to achieve it.

Nitika
B.A. Ist
Roll No. 1210421002191

Role of The Mobile Phone

The mobile phone is one of the most important inventions of the twentieth century. It enables us to keep in touch with our family members and beloved ones at any time and at any place. Previously, the landlines phones were very useful for communication. Next came the P.C.O. booths. But now we can carry the mobile phone with us wherever we go in the beginning, the mobile phone was a simple mechnaism. It was used only for communication. But now it has a number of other related functions, which have made life mush easier Nowadays. It can facilitate all means of communication such as text messages, calls configration video calling image sharing, connecting to interest, social networking, information processing and listen to music as watch movies on the mobile phones.

Preeti
B.A. Ist
Roll No. 1210421002200

Struggle Today

Struggle today For a better tomorrow
Hard work pays, you should always know
No matter how tough May seem the climb
Keep moving, keep fighting
One win at a time
Preservance and patience Go a long way
Because for the sunrise, even
The longest nights make way

Sharanjeet
B.A. 2nd
Roll No. 120042002089

Pledge

India is my country. All Indians are my brothers & sisters. I love my country and I am pround of its rich and varied heritage. I shall always strive to be worthy of it.
I shall pay respect, to my parents, teachers and all elders and treat every one with country.
To my courtesy and my people. Their I pledge my devition in well-being prosperity alone, lies my happiness.

Jai Hind

Lakshmi
B.A. Ist
Roll No. 1210421002232

Paper

I take birth from tree,
And all that they get me for free
People took me for granted,
And threw me wherever they wanted.

People used me to fulfil their will,
And took me to that paper mill.
Man uses me in any way,
I am better than a plastic they say.

Sharanjeet
B.A. 2nd
Roll No. 120042002089

My Hero

You held my hand, when I was small
You caught me, when I fell
You're the hero of my childhood
And my later years as well.

And every time I think of you
my heart still fills with pride
Though I'll always miss you dad
I know you're by my side

In laughter and in sorrow
In sunshine and through rain
I know you're watching over me
Until we meet again, Dear Dad

Poonam
B.A. Ist
Roll No. 1210421002167

Life

Life is a God's gift. It is very short
It is like a blooming flower.
Time is flying, it never waited for anyone.

When flower is blooming, it
Looks very beautiful and gives us happiness
flower fades away very soon.
So, please enjoy life, give happiness

Bhawna
B.A. Ist
Roll No. 1210421002215

The Importance of being yourself

In a world where we are told that we can be anything we want to be. You can be a writer, an artist or an astronaut but you have no choice but to be yourself. May be I should say that this is the only wise choice. You can not pretend to be someone or something that you are not, plenty of people try but they ultimately fail. If you do succeed, you certainly won't be happy.

I have come across a fair, few people making their way through life by pretending. May be it is easier to convince ourselves that We feel good about something or someone rather than admit that we do not. Contentment doesn't require action so by convincing ourselves that we are happy even when we are not, we may be able to avoid making those difficult decisions. We don't have to tell our partner that we aren't in love with them anymore or that we aren't happy in our relationship. We don't have to swallow our pride and ask for help when we need it because, hey, everything is just fine! We can simply smile and keep pretending. Pretending everything is fine means not having to contend with all the fears and the potential of disapproval from loved ones if we leave it behind. Pretending is costly because we may be giving away our peace of mind and happiness.

Afsana Khan (Student Editor
B.A. Ist
Roll No. 1210421002050

Thoughts

1. Not everyone is good in the crowd and there is no crowd of good people.

2. Love people, respect them but not more than your self respect.

3. The floor looks for away, but try to reach.

4. The one who tried to change the world, last and the cone who changed himself won.
5. Don't loose hope, try to convert it into realty.

6. The biggest disease, "what will people say..."

Manisha
B.A. Ist
Roll No. 1210421002217

Failure & Success

Failure is the penality,
For continually getting things wrong

Success on the other hand is the award for getting things continually right.

Failure puts you down in despair
success sends you soaring among the clouds

Therefore, I look at myself and wonder
Am I a success or failure ?
Then may be I am a bit of both, whichever,
way the hammer falls only your can decide.

Ravi Yadav
B.A. Ist
Roll No. 1210422002343

Wonderful Mother

God made a wonderful mother, A mother who never grows old; He made her smile of sunshine, And He molded her heart of pure gold. In her eyes He placed bright shinning stars.

In her cheeks fair rose you see; God made a wonderful mother, and gave that dear mother to me.

AMAZING
LOVING
STRONG
HAPPY
SELFLESS
GRACEFUL

Sneha
B.A. Ist
Roll No. 1210421002011

I Dream A World

I dream a world where man
No other man will scorn,
Where love will bless the earth
And peace its paths adorn
I dream a world where all
Will know sweet freedom's way
Where greed no longer saps the soul
Nor avarice blights our day
A world I dream where black or white
What ever race you be.
Will share the bounties of the earth
And every man is free
Where wretchedness will hang its head
And joy, like a pearl
Attends the needs of all mankind
Of such I dream, my world !

Partibha
B.A. Ist
Roll No. 1210421002043

Think Positive

If you think you are beaten, you are
If you think you dare not, you don't
Success begins with your own will...
It's all in your state of mind.
Life's battles are not always won.
By those who are stronger or faster;
Soner or later the person who wins
Is the person who thinks he can !

Monika
B.A. 2nd
Roll No. 120042002328

Your Best

If you always try your best
Then you'll never have to wonder
About what you could have done
If you'd summoned all your thunder
And if your best
was as not good
As you hoped, It would be,
You still could say,
"I gave today
All that I had in me."

Rakhi
B.A. 2nd
Roll No. 120042002334

STUDY ! STUDY ! STUDY!

Studying is your religion and your marks
are your god,

Coaching center is your temple, pray there
as long as you can.

Your only mantra should be eat, sleep,
study and repeat,

To prepare for austerities like board, JEE
and NEET!

You need to leave others behind to achieve
what's destined

God will lead to the path of selection in
the form of top institute and highly paying job

Even if you are a fish, you have to climb
that tree.

As there is no room for you to name around
as free.

Only on your answer sheet, you should
show your talent,

Your only goal should be to become a
top student!

SO STUDY ! STUDY ! STUDY!

Anmol Kaushik
B.Sc Final (Non Med.)
Roll No. 299421006

NEW EDUCATION POLICY

Education is a fundamental need and right of everyone now. In Order to achieve our goals and helps develop a just society. We need education. similarly, education plays a great role in the national development of a nation. As we are facing a major change in term of knowledge globally. The government of India approved the national education policy 2020. This essay on new education policy 2020 will help you learn how this new policy has replace the national education policy 1986 that is 34 years old now this new policy 1986 that is 34 years old. This new policy has the aim of universalizing education from preschool to school secondary rule. It plans to do that with a 100% GRE (Gross Enrolment Ratio) in schooling. The plan is to achievement it by 2030.

This essay on new education policy 2020 will highlight the change brought in by this new policy. Firstly, the policy propose, to open Indian higher education in foreign universities its aim to introduce a four year multi disciplinary undergraduate program with various exit option. Thus this new policy will strive to make the country of India a global knowledge superpower.

Similarly, it also aims to make all universities and college multi disciplinary by the year 2040. Finally, the policy aims to grow employment in India and also bring fundamental changes to the present educational system.

Advantage and disadvantage of new Education policy

The policy gives an advantage to students of classes 10 and12 by making the board exams easier. In other words it plans to test the core competencies trusted of more memorization of facts it will also all the students to take the exam twice. Further, it proposes that on independent authority will be responsible for regulating both public and private schools. Similarly the policy aims to diminish any severe separation between the educational streams and vocational streams in the school.

There will also be no rigid divisions between extra curriculum. Vocational educational will begin at class sixth with an internship. Now the essay on new education policy 2020 will tell you about the disadvantage of the policy.

Finally it can make the position/education system expansive. Meaning to say admission to foreign. Will probably result in this. Further , it will create a lock of human resources.

If we look at the present elementary education. we notice that there is a lack of skilled teacher thus keeping this in mind. The national education policy 2020 can give rise to practical problem in implementing the system that is for elementary education.

Finally, there is also the drawback of the exodus of teachers. In other words, admission to foreign universities will ultimately result in our skilled teacher migrating to those universities.

Conclusion : The conclude to essay on new education policy 2020 we can say that this policy is an essential initiative to help in the all around development of our society and country as a whole. However the implementation of this policy will greatly determine its success. Nonetheless with a youth dominant population, India can truly scheme a better state with the proper implementation of this education policy.

Keiran Yadav
B.Sc (Final)
Roll No. 2994220021

HOW TO LEAD A GOOD LIFE

Life is the name of purpose, struggle love, dedication and a number of feelings and emotions. life shapes its true colour with time and it depends on how your approach toward life is. It takes a no. of turns during its whole span. There are to high time that really check your courage and capabilities of facing adverse situations. How well your tackle proves your credibility. People who just close their eyes to avoid hardship are cowards. Striving hero and trying censtarly improves our approach towards destiny. These inuidents make your thinking a bit more rational and lied your out of leading a monotonous life. In other words life lets your all the time life is opposite of teacher as it takes exam first and then teacher a lesson.

When you love someone life changes its meangings priorities and requirements. It seems to be confined within the kingdom of your loved one's heart. To love and being loved is the best fedirg in life nad has no pyralis. Everyone wishes to lead a bussful life nad it is possible only where your know each. other understand each. other and stand for each. other through boal times. Do not Waste time in getting diverted towards attraction. Life should have some purpose. Identify your aim and head towards it. time wait for no one choose your priorities wisely. It is said that.

"When you want something the entire universe conspires in helping you to achieve it."

Life is worthless without hope. Hope is the key element in life which never lets you down and keeps your moral high. Always be optimistic and have faith in God, Everything happens for a reason. Something subject in convenience makes us thinks that life is cruel. But it is not so, spreading optimism instead of pessimism will light up our life positively. Remember that.

"The darkest hour of night comes just before the down.

Parveen
B.Sc 1st (Non-Med.)
Roll No. 1210421015030

संस्कृत अनुभाग

सम्पादकीयम्

आधुनिक काले सर्वे छात्राः महाविद्यालयं विश्वविद्यालयं गच्छन्ति पठन्ति च परं कोऽपि शिक्षितोनास्ति। सर्वे छात्राः प्रमाण पत्रं एकत्रित कुर्वन्ति। तै किमर्थं । किम् उद्देश्यम्। शिक्षयाः उद्देश्यः युवां सर्वांगीण विकासः मन्यते। शारीरिकः मानसिकः बौद्धिकश्च उन्ययत् भवेत् अयमेव लक्ष्योस्ति अस्माकमपि महाविद्यालयस्य। वर्तमान काले अस्मिन् देशे हिसां-आतंकयोः वातावरणं अस्ति। एतादृशं परिस्थितिषु सम्प्रदायिक सद्भाव-राष्ट्रीय एकता अखण्डतानां महत्वपूर्ण अस्ति। शिक्षकाः छात्राश्च अस्या दिशि सशक्त भूमिका आवश्यकी वर्तते। अस्माकं एकैव लक्ष्य अस्ति राष्ट्रस्य सेवा, समाजस्य सेवा साम्प्रति युगे प्रायः सर्वे जनाः येन-केन प्रकारेण धनोपार्जने संलग्ना दृश्यन्ते । परिणमतः समग्रे राष्ट्रे सम्प्रति भ्रष्टाचारस्य विभीषिका ताण्डवं करोति। एवमनुचित साधनैरर्जितं धनमानावश्यक कञ्च संचितोऽर्थ एव पापस्य मूलम्। तस्मादेव समाजे निखिले च राष्ट्रे अराजकतयां वातावरणं दरी दृश्यते। अर्थलौल्यादेव साम्प्रतमस्माकं देशस्यार्थचव्यवस्थाऽपि विच्छिना जाता। वेदेषु ग्रन्थेष च पदे-पदे निर्दिष्टश्यार्थशौचस्य भावनावश्यकरूपेणनुपालनीया, इति अनुभूयते। यदि जनाः एतादृशैर्वचनैरूत्प्रेरिता स्यु तहि अधर्मेणाजितेन धनेन स्वविनाशं भयाते पुनः धर्मानुकूलं धनार्जनं प्रति आकृष्टा भविष्यन्तीति नात्र सन्देह।

जोगिन्द्र सिंह
एसोसिएट प्रोफैसर
सम्पादक (संस्कृत अनुभाग)

संस्कृतः भषायाः महत्त्वम्

- संस्कृत भाषा सर्वप्राचीना भाषा अस्ति।
- संस्कृत भाषा विश्वबधुत्वस्य पोषणम् करोति।
- भारतीयैकता साधकम् संस्कृतम् अस्ति।
- संस्कृत साहित्यं मानवजातेः कृते अमूल्यधनम् अस्ति।
- संस्कृतभाषाया प्राचीनर्वाचीनयोर्मध्ये सेतुः अस्ति।
- संस्कृत विश्वस्य महत्तं भाषा अस्ति।
- संस्कृत भाषा लैटिन भाषाया अपेक्षयाः अधिक समृद्धम् अस्ति।
- संस्कृत न केवलं जीवितानाम् अपितु दिवंगतानाम् कृतेऽपि सञ्जीवनी अस्ति।
- अधुनाऽपि संगणकस्य कृते संस्कृत भाषा अति उपयुक्ता अस्ति।
- संस्कृतभाषायाएवभारतस्य प्राणभूता भाषा अस्ति।
- सर्वे प्राचीनग्रन्थाः चत्वारो वेदाश्च संस्कृतभाषयामेव सन्ति।
- प्राचीनकाले सर्वे एव भारतीयाः संस्कृतभाषायां एव व्यवहारं कुर्वन्ति स्मः।
- संस्कृतभाषायाः भारतराष्ट्रस्य एकतायाः आधारः अस्ति।
- अस्य व्याकरणं पूर्णतः तर्कसम्मतं सुनिश्चितं च अस्ति।
- संस्कृतभाषाः स्वरूपं पूर्णरूपेण वैज्ञानिक भाषा च अस्ति।
- संस्कृतभाषैव भारतस्य प्रणभूताः भाषा अस्ति।
- आधुना संङ्गणकस्य कृते संस्कृत भाषा अति उपयुक्तः अस्ति।

प्रीति
बी.ए. प्रथम
रोल नं. 1210421002302

अनुशासनम्

नियमपालनम् आज्ञापालनं वा अनुशासनं भवति। अनुशाससननं जीवने परमम् आवश्यकमस्ति। परिवारे, समाजे, राष्ट्रे, अस्य आवश्यकता वर्तते। अस्य पालनेन उन्नतिर्भवति। यत्र अनुशासनं न भवति, तत्र कार्येषु अवनतिः भवति। नियम-पालनस्य अभावे जीवनं दुष्करं भवेत्। यथा राजमार्गेषु यातायात-नियन्त्रणाय वामत्: चलनमावश्यकं नियमं वर्तते। यदि अस्य पालनं न भवेत्। तदा अनेकाः दुर्घटनाः भविष्यन्ति। यदि सर्वे जनाः स्वछन्दाः स्युः तदा समाजस्य स्थितिः अस्तव्यस्ता स्यात् ।

परिवारे एकः सदस्य मुख्यः भवति। स एव परिवारे अनुशासनं रक्षति। केन किं कार्य कारणीयं इति परिवारे मुख्यः जनः एवं निर्दिशति। यदि सर्वे सदस्याः अनुशासनं पालयन्ति तदा सर्वाणि कार्याणि सुचारू रूपेण सम्पन्नाः भवन्ति। अस्य अभावे अव्यवस्था भवति। सत्यं कथ्यते।

सर्वे यत्र विनेतारः सर्वे पण्डितमानिनः।

सर्वे महत्वमिच्छन्ति तत् कुलमवसीदति।

अद्य छात्रेणु अनुशासनस्य अभावः अस्ति। ते न गुरोराज्ञां पालयन्ति न च पित्रौः आदेशं स्वीकुर्वन्ति। अनुशासनाभावे च प्रतिदिनं हड़तालं कुर्वन्ति। अहा सर्वत्रैव अनुशासनस्य अभावः एव दृश्यते। भारतीय-राजनीतौ, धार्मिक-सामाजिक संस्थासु च न कोऽपि अनुशासनम् इच्छति। एवमेव विविधानां नगराणां च नियमाः भवन्ति, यथा सार्वजनिकं स्थान विकृतं न कुर्यात् अपशब्दं न वदेत्, इति नियमानां पालनेन सुविधा भवति, नियमानां भग्नेन च कलहाः जायन्तेः अतः अनुशासनस्य सर्वस्मिन् क्षेत्रे विशेषतः छात्र-जीवने महती आवश्यकता वर्तते।

ललित कुमार (छात्र सम्पादक)
बी.ए. द्वितीय
रोल नं. 120042002212

समयस्य सदुपयोगः

मनुष्यजीवने समयस्य महत्वपूर्ण स्थानं वर्तते। गतः समयः पुनः न आगच्छति, अतः मनुष्यस्थ तत् कर्तव्यं भवति यत् प्राप्तस्य समयस्य सदुपयोगं कुर्यात्। यः जनः समयस्य सदुपयोग न करोति तस्य जीवनं नश्यति। मानवस्य उन्नतौ समयस्य सदुपयोगितायाः महत्वपूर्ण योगदानं भवति । अतः समयस्य सदुपयोगः परमावश्यकः।

तिष्ठति अतः समयानुसारम् आवश्यकानि उचितानि कार्याणि अवश्यमेव सम्पादनीयानि। छात्रजीवने एव यः मनुष्यः समयस्य महत्त्वं जानन् तदनुरूपं स्वकार्ययोजनां विद्याय परिश्रमं करोति स एव सुखदम् उज्जवलं च भविष्यं निर्मातु शक्नोति। छात्रजीवने यः जनः समयस्य सदुपयोगं न शिक्षते तस्य भाविजीवनम् अनेकाविद्यं संकटमय अस्तव्यस्तं प्रायः च निष्फलम् एव जायते। अतः विपरीतं यः जन समयस्य सदुपयोगं करोति तस्मै सर्वे उन्नति मार्गाः निर्बाधाः भवन्ति, पदे पदे च विजयः सफलता वा तस्य चरणचुम्बनं करोति। वस्तुतः जीवने सफलतायाः कुञ्जिका समयस्य सदुपयोगिता एव अस्ति। समयस्य सदुपयोगेन कार्यक्षमता वर्धते, मानसिकद्वन्दं न भवति। अनेक प्रकारेण एव च मनुष्य यशस्वी सफलः च भवितुं शक्नोति। अत्रः छात्रजीवनतः एव समयस्य सदुपयोगस्य अभ्यासः करणीयः। अतः समयस्य सदुपयोगः परमावश्यकः।

ललित कुमार
बी.ए. द्वितीय
रोल नं. 120042002212

अहंकार

मानं हित्वा प्रियो भवति। क्रोधं हित्वा न सोचति।
कामं हित्वा अर्थवान् भवति। लोभं हित्वा सुखी भवेत्॥

हिंदी अर्थः- अहंकार को त्याग कर मनुष्य प्रिय होता है क्रोध ऐसी चीज है जो किसी का हित नहीं सोचती। कामेच्छा को त्याग कर व्यक्ति धनवान होता है तथा लोभ को त्याग कर व्यक्ति सुखी होता है।

अहङ्कारं बलं दर्प कामं क्रोधं च सांश्रिताः।
मामात्मपरदेहेषु प्रद्विषन्तोऽभ्यसूयकाः॥

अर्थः-वे अहंकार, हठ, घमण्ड, कामना और क्रोध का आश्रय लेने वाले मनुष्य अपने और दूसरों के शरीर में मुझ अन्तर्यामी के साथ द्वेष करते है तथा दोष दृष्टि रखते है।

मूर्खस्य पञ्च चिह्नानि गर्वो दुर्वचनं तथा।
क्रोधस्य दृढ़वादश्च परवाक्येष्वानदरः॥

अर्थः- एक मुर्ख को पांच लक्षण होते है घमण्ड, दुष्ट वार्तालाप क्रोध जिद्दी तर्क और अन्य लोगों के लिए सम्मान में कमी।

दाने तपासि शौर्य च विज्ञाने विनये नये।
विस्मयो न हि कर्तव्यानि बहुरात्ना वसुधरा

अर्थः- व्यक्ति को अपनी दानशीलत, तप, शूरता, विदवत्ता सुशीलता व नीतिनिपुणता का कभी भी अहंकार नहीं करना चाहिए क्योंकि यह धरा बहुत शूरों से भरी पड़ी है अर्थात् शेर का सवा शेर कहीं न कहीं होता अवश्य है।

अशास्त्रविहितं घोरं तप्यन्ते ये तपो जनाः।
दम्भहङ्कारसंयुक्ताः कामरागवलन्विताः॥

अर्थः- जो मनुष्य शास्त्र विधि से रहित घोर तप करते है, जो दम्भ और अहंकार से अच्छी तरह युक्त है जो भोग-पदार्थ आसक्ति और हठ से युक्त है जो शरीर में स्थित पांच भूतों को अर्थात् पञ्चभौतिक शरीर को तथा अन्तः कारण में स्थित मुझ परमात्मा को भी कृश करने वाले है, उन अज्ञानियों को आसुर वाले समझ।

सचिन
बी.ए. प्रथम वर्ष
रोल नं. 1210421002271

गुरूभक्त आरूणि

प्राचीनकाले धौम्यऋषि आश्रमे अनेकाः छात्राः शिक्षाग्रहणं करोति स्म। तेषु छात्रेषु एकः छात्रः आसीत् आरूणि। अन्यः छात्रै सह सः अपि आश्रमें शिक्षाग्रहण करोति स्म। सर्वे छात्राः गुरोराज्ञा अपालयन परं आरूणिहृद्ये गुरोरप्रति विशेष सम्मानस्य भावः आसीत्। सर्वे छात्राः गुरोसर्वेषु कार्येषु सहायतां कुर्वन्ति स्म कृषिकार्येषु च सहयोग बकुर्वन।

एकदा प्रचण्डवृष्टिः अभवत् तदा गुरूः छात्रान् पाठयन्ति स्म । गुरूः आरूणि अवदत् यत पुत्रः। क्षेत्रगंचछ च धान्यस्य अत्याधिकजलात् संरक्षणम् । तस्मिन एव काले आरूणि क्षेत्रम् गतः। तत्र गत्वा आरूणि अपश्यत् यत् धान्यक्षेत्रस्य केदारखण्ड भग्नः। अत्याधिक जलप्रवाहेन। आरूणि अनेकाः प्रयत्नाः कुर्वन्ति स्मः परं । तस्य सर्वे प्रयासाः असफलताः जातः। परं गुरूभक्त आरूणि गुरोः आज्ञां शिरोधार्य मत्वा केदारखण्डे संनिवेश न दृष्टवान्। यदाः गुरूः सर्वशिष्ये आरूणि अवदत् यत् गुरूजी! ध्य भवान् एव आरूणिविषये धान्यक्षेत्रस्य रक्षार्थ क्षेत्रं प्रत्यागत। गुरूं एतत् वार्ता समरयति । सः सर्वान् छात्रान् सह क्षेत्रम् अगच्छत्। गुरूः आरूणिं उद्बोधित्। परं आरूणि प्रत्युत्रम् न दत्तवान् । एकः शिष्यः अवदत् यत गुरूजी। आरूणि केदारखण्डे संविवेश। सर्वे तत्र आगच्छन् । आरूणि मरणासन्न आसीत्। आरूणि शैनः शने चक्षु उन्मीलितेव अवदत् गुरूः नमः। धौम्यऋषिः आरूणि गतबधं कृतवान् अवदत च त्वं सत गुरूभक्तः । सर्वेसदा प्रतिभाष्यन्ति सर्वाणि च शस्त्राणि इति मम आशीर्वचनः। गुरो वचने आरूणिः प्रसिद्ध विद्वानः गुरूभक्तः च अभवत् ।

कालान्तरे आरूणि एव उदालक ऋषिः नाम्नः प्रसिद्धः।

सोनिया शर्मा
बी.ए. द्वितीय
रोल नं. 2993320155

संस्कृत वन्दना

सरस सुबोधा विश्वमनोज्ञा।
ललिता हृदया रमणीया।
अमृतवाणी संस्कृत भाषा।
नैव किलष्ठा न च कठिना।।

कवि-कोकिला-वाल्मीकि-विरचिता
रामायण-राणीय कथा।
अतीत सरला, मधुर-मंजुला।
नैव किलष्ठा न च कठिना।।

व्यास-विरचिता, गणेश-लिखिता
महाभारते दिव्य कथा।
कौरव-पाण्डव-सागर-मथिता
नैव किलष्ठा न च कठिना।।

कुरुक्षेत्र-समारागण गीता
विश्व वन्दिता भगवत् गीता
अमृत-मधुरा कर्म-दीपिका
नैव किलष्ठा न च कठिना।।

शैली
बी.ए. द्वितीय
रोल नं. 120042002100

सुभाषितानि

समानी वः आकृतिः समाना हृदयानि वः।
समानमस्तु वो मनो यथा वः सु सुहासति।।

व्याख्या – यदि सबके संकल्प हृद्य और मन समान होंगे तो परस्पर विरोध–वैमनस्य आदि के भाव अपने आप समाप्त हो जाएगें। इससे एक स्वस्थ एवं खुशहाल समाज की स्थापना होगी।

पिबन्ति नद्यः स्वयमेव नाम्भः,
स्वयं न खादन्ति फलानि वृक्षाः।
धाराधरो वर्षति नात्महेतोः,
परोपकाराय सतां विभूतयः॥

व्याख्या – नदी अपना जल स्वयं नहीं पीती, फल वृक्षों के द्वारा स्वयं नही खाये जाते, वर्षा अर्थात बादल भी धरती पर अपने हित के लिए नहीं बरसते हैं। जिस प्रकार ये सभी दूसरो के उपकार के लिए सब करते हैं ठीक उसी प्रकार स्वजन व्यक्तियों का स्वभाव भी परोपकारी होता है।

स्वबाहुबलमाश्रित्य योऽभ्युज्जीवति मानवः
स लोक लभते कीर्तिं परत्र च शुभा गतिम्॥

व्याख्या – जिस व्यक्ति को अपने बाहुबल पर विश्वास है वह लोक–परलोक दोनो जगह सम्मानित होता है, लोक में उसकी प्रसिद्धि होती है तथा परलोक में मोक्ष की प्राप्ति होती है।

गुणा गुणज्ञेषु गुणा भवन्ति,
ते निर्गुणं प्राप्य भवन्ति दोषाः।
सुस्वादुतोयाः प्रभवन्ति नद्यः,
समुद्रमासाद्य भवन्त्यपेयाः॥

व्याख्या – गुणी व्यक्ति के महत्व को गुणवान व्यक्ति ही समझ सकता है। दुष्ट व्यक्ति से मिलकर गुणी व्यक्ति भी दुष्ट हो जाता है। जैसे नदी का जल स्वभावतः शीतल एवं स्वादिष्ट होता है। परन्तु समुद्र के जल के सम्पर्क से खारा हो जाता है वैसे ही गुणी व्यक्ति निर्गुणों के बीच में निर्गुण बन जाता है।

स्त्रियां रोचमानायां सर्वं तद् रोचते कुलम्।
तस्यां त्वरोचमानायां सर्वमेव न रोचते॥

व्याख्या – मधुरभाषी सत्य चरित्र वाली स्त्री जिस कुल या परिवार में रहती है वह परिवार निरन्तर उन्नति करता है। इसके विपरित स्वभाव वाली होने पर परिवार का ह्रास होता है।

मोनिका
बी.ए. तृतीय वर्ष
रोल नं. 2993320143

स्मृतिसौरभम्

आनन्दगङ्गा वहतीव यत्र
सौन्दर्यसिप्रा सरतीव यत्र।
बन्धुत्वसिन्धुश्रलतीव यत्र
संस्कारशुद्धोऽस्ति स वो विभागः।।1।।

विलोक्य विद्यां प्रति कर्मनिष्ठां
चेष्टां च सर्वा निजनेत्रकान्त्या।
जातं हि चित्तं सुखमण्डितं मे
विद्या यतो मे जननीव जीर्णा।।2।।

शुभ्रा सुचित्रा सरला सुभद्रा
विभागदायित्वनगाधिरूढा ।
बन्धुत्वविद्याविषये प्रवीणा
तां भारतीं स्नेहवतीं स्मरामि।।3।।

मा माधवी माधवभावसिक्ता
सदानुरक्ताऽध्ययनेऽतिशान्ता।
विद्योतते या प्रतिभेव साक्षात्।

अफसाना खान
बी.ए. प्रथम वर्ष
रोल नं. 121042102050

गीतासारः

नैनं छिदन्ति शास्त्राणि नैनं दहति पावकः।
न चैनं क्लेदयन्तयापो न शोषयति मारूत।।

अनुवाद – आत्मा को न शास्त्र काट सकते है, न आग उसे जला सकती है। न पानी उसे भिगो सकता है, न हवा उसे सुखा सकती है।

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारतः।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

अनुवाद – हे भारत जब-जब धर्म का लोप होता है और अधर्म में वृद्धि होती है, तब-तब मैं धर्म के अभ्युत्थान के लिए स्वयं की रचना करता हूँ अर्थात अवतार लेता हूँ।

परित्राणाय साधूनाम विनाशाय च दुष्टकृताम।
धर्मसंस्थापनार्थय सम्भवामि युगे-युगे।।

अनुवाद – सज्जन पुरूषों के कल्याण के लिए और दुष्कर्मियों के विनाश के लिए और धर्म की स्थापना के लिए मैं युगो-युगो से प्रत्येक युग में जन्म लेता आया हूँ।

सर्वधर्मान्परित्यज्य मामेकं शरणं व्रज।
अहं त्वां सर्वपापेभ्यो मोक्षयिष्यामि मा शुचः।

अनुवाद – सभी धर्मो को छोड़कर मेरी शरण में आ जाओ, मैं तुम्हे सभी पापो से मुक्त कर दूँगा, इसमें कोई सन्देह नहीं।

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गेऽस्त्वकर्मणि।।

अनुवाद – कर्म पर ही तुम्हारा अधिकार है, लेकिन कर्म के फलों में कभी नहीं, इसलिये कर्म को फल के लिये मत करो और ना ही काम करने में तुम्हारी आसक्ति हो।

ध्यायतो विषयान्पुंसः सङ्गस्तेषूपजायते।
संङ्गात्संजायते कामः कामात्क्रोधोऽभिजायते।।

अनुवाद – विषयों वस्तुओं के बारे में सोचते रहने से मनुष्य को उनसे आसक्ति हो जाती है। इससे उनमें कामना यानि इच्छा पैदा होती है और कामनाओं में विघ्न आने से क्रोध की उत्पत्ति होती है।

सागर
बी.ए. प्रथम वर्ष
रोल नं. 1210421002202

नीतिसार

सहसा विदधीत न क्रियामविवेकः
परमापदां पदम
वृणते हि विमृश्यकारिण गुणलुब्धाः
स्वयमेव संपद

अर्थ : हमें अचानक आवेश या जोश में आकर कोई काम नहीं करना चाहिए। क्योंकि विवेक हीनता सबसे बड़ी विपत्तियों का कारण होती है। इसके विपरित जो व्यक्ति सोच समझकर कार्य करता है, गुणो से आकृष्ट होने वाली लक्ष्मी स्वयं ही उसका चुनाव कर लेती है।

नास्ति विद्या समं चक्षु
नास्ति सत्य समं तपः।
नास्ति राग समं दुख
नास्ति त्याग समं सुख।।

अर्थ : विद्या के समान आँख नहीं है, सत्य के समान तपस्या नहीं है, आसक्ति के समान दुख नहीं है और त्याग के समान सुख नहीं है।

प्रदोषे दीपकः चन्द्रः
प्रभाते दीपकः रवि
त्रैलोक्ये दीपकः धर्मः
सुपुत्र कुलदीपकः।।

अर्थ : संध्या काल में चन्द्रमा दीपक है, प्रभात काल में सूर्य दीपक है, तीनों लोको में धर्म दीपक है और सुपुत्र कुल का दीपक है।

काकः कृष्णः पिकः कृष्णः
को भेदः पिकाकयोः।
वसंत समये प्राप्ते
काकः काकः पिकः पिकः॥

अर्थ : कौआ काला होता है, कोयल भी काली ही होती है इन दोनो में फर्क क्या? वसंत ऋतु के आने पर समझ में आता है कौन कौआ और कौन कोयल।

राहुल
बी.ए. तृतीय वर्ष
रोल नं. 2993310213

संस्कृत श्लोक

विद्यां ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम्।
पात्रत्वात् धनमाप्नोति धनात् धर्म ततः सुखम्।।

अर्थ – विद्या यानि ज्ञान हमें विनम्रता प्रदान करता है, विनम्रता से योग्यता आती है और योग्यता हमें धन प्राप्त करवाती है। जिससे हम धर्म के कार्य करते हैं और हमें सुख मिलता है।

उद्यमेन हि सिध्यन्ति कार्याणि न मनोरथैः।
न हि सुप्तस्य सिंहस्य प्रतिशन्ति मुखे मृगाः।।

अर्थ – उद्यम यानि मेहनत से ही कार्य पूरे होते हैं, सिर्फ इच्छा करने से नही। जैसे सोये हुए शेर के मुँह में हिरण स्वयं प्रवेश नही करता बल्कि शेर को स्वयं ही प्रयास करना पड़ता है।

भूमैः गरीयसी माता, स्वर्गात उच्चतरः पिता।
जननी जन्मभूमिश्च स्वार्गात अपि गरीयसी॥

अर्थ – भूमि से श्रेष्ठ माता है, स्वर्ग से ऊँचे पिता है, माता और मातृभूमि स्वर्ग से भी श्रेष्ठ है।

अयं निजः परोवेति गणना लघु चेतसाम्।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्॥

अर्थ – यह मेरा है, यह उसका है ऐसी सोच संकुचित चित वाले व्यक्तियों की होती है इसके विपरीत उदारचरित वाले लोगों के लिए तो यह सम्पूर्ण धरती ही एक परिवार जैसी होती है।

बलवानप्यशक्तोऽसौ धनवानपि निर्धनः।
श्रुतवानपि मूर्खोऽसौ यो धर्मविमुखो जनः॥

अर्थ – जो व्यक्ति धर्म (कर्तव्य) से विमुख होता है वह (व्यक्ति) बलवान् हो कर भी असमर्थ, धनवान् होकर भी निर्धन तथा ज्ञानी हो कर भी मूर्ख होता है।

गुरूर्ब्रह्मा गुरूविष्णुः गुरूदेवो महेश्वरः।
गुरूः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः॥

अर्थ – गुरू ही ब्रह्मा है, गुरू ही विष्णु है, गुरू ही शंकर है गुरू ही साक्षात परब्रह्म हैं ऐसे गुरू को मैं नमन करता हूँ।

कुनाल
बी.ए. तृतीय वर्ष
रोल नं. 2993310168

नीतिसूक्तयः

पापान्निवारयति योजयते हिताय,
गुह्यं-निगूहति गुणान्प्रकटीकरोति।
आपदगतं न न जहाति ददाति काले,
सन्मित्र लक्षणमिदं प्रवदन्ति सन्तः॥

अर्थ : जो बुरे कार्य, पापों से हटता है, हितकारी कार्यो में लगता है, छिपाने योग्य बातों को गुप्त रखता है, गुणों को प्रकट करता है (दूसरों को बताता है) आपत्ति आने पर साथ नहीं छोड़ता है, समय आने पर सहायता करता है-इसे सज्जन सच्चे मित्र का लक्ष्ण बताते हैं।

मनसि वचसि काये पुण्यपीयूषपूर्णा -
स्त्रिभुवनमुपकार श्रोणिभिः प्रीणयत्तः।
परगुणपरमाणू-पर्वतीकृत्य नित्यं
निजहृदि विकसन्त सन्ति सन्तः कियन्तः॥

अर्थ - मन में, वचन में व शरीर में, पुण्य रूपी अमृत से भरे हुए, तीनों लोको का अनेक उपकार करके प्रसन्न रहने वाले, दूसरों के छोटे से छोटे गुणों को भी सदा पर्वत के समान विशाल बताने वाले, अपने हृद्य में सन्तुष्ट रहने वाले-संसार में कितने सज्जन हैं अर्थात बहुत् कम हैं।

गुणवदगुणवद्वा कुर्वता कर्मजातं
परिणतिवधार्या यत्नतः पण्डितेन।
अतिरमसंकृतानां कर्मणामाविपत्ते-
र्भवति हृदयदाहि सत्यतुल्यो विपाकः॥

अर्थ - बुद्धिमान व्यक्ति को अच्छे या बुरे कार्यो को करते समय उसके परिणाम या फल पर प्रयत्नपूर्वक विचार कर लेना चाहिए। क्योंकि बहुत शीघ्रता से किये गये कार्यो का परिणाम या फल, मृत्यु के समय तक, तीर के अग्रभाग (शल्य) के समान हृद्य को पीड़ा देने वाला होता है।

पूनम
बी.ए. तृतीय वर्ष
रोल नं. 2993320117

गणेश मंत्र

वक्रतुण्ड महाकाय, सूर्यकोटि समप्रभः।
निर्विघ्नं कुरूमें देव, शुभ कार्येषु सर्वदा॥

भावार्थ - हे हाथी के जैसे विशालकाय, जिसका तेज सूर्य की सहस्त्र किरणों के समान है। बिना विघ्न के मेरा कार्य पूर्ण हो और सदा ही मेरे लिये शुभ हो, ऐसी कामना करते हैं।

सरस्वती मंत्र

या कुन्देन्दुतुषारहार धवलां या शुभ्र-वस्त्रावृता।
या वीणावरदण्डमण्डितरा या श्वेतपद्मासना॥
या ब्रह्मच्युत शंकर प्रभृतिभिर्देवैः सदा वन्दिता सा।
सा मा पातु सरस्वती भगवती निः शेषजाड्या पहा॥

भवार्थ - जो कुन्द के फूल, चन्द्रमा, बर्फ और हार के समान श्वेत है। जो शुभ वस्त्र धारण करती है। जिनके हाथ उत्तम वीणा से सुशोभित हैं, जो श्वेत कमलासन पर बैठती है। ब्रह्मा, विष्णु, महेश आदि देव जिनकी जड़ता हर लेती है, वे भगवती सरस्वती मेरा पालन करे।

गुरूमंत्र

गुरूर्ब्रह्मा गुरूविष्णुः गुरूदेवो महेश्वरः।
गुरूः साक्षात् परं ब्रह्म तस्मै श्री गुरूवे नमः॥

भावार्थ - गुरू ही ब्रह्मा है, गुरू ही विष्णु है, गुरू ही शंकर है गुरू ही साक्षात परब्रह्म हैं ऐसे गुरू को मैं नमन करता हूँ।

मुस्कान
बी.ए. तृतीय वर्ष
रोल नं. 2993320046

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवताः

अद्यत्वे नारीणं दशा शोचनीया वर्तते। तासाम् उपरि अनवरतं क्रियमाणैः अत्याचारैः समाचारपत्रपृष्ठानि प्रतिदिन रञ्जितानि वर्तन्ते। तासाम् आदरः न क्रियते, कारणमस्ति यत् सर्वत्र राक्षसाः एव वसन्ति, न देवाः, देवाः तु नारी पूज्यन्ति आनन्देन वसन्ति च, कुत्र वसतिः आर्याणां कुत्र च अनार्याणं वसतिः अस्ति इत्यस्य निकषः तत्रव्यानां नारीणां दशा एव अस्ति, यत्र ताः पत्युः परिवारस्च च आदरं लभमाना आनन्दम् अनुभवन्ति तत्र वासः देवतानाम्, यत्र चे वैपरीत्यं तत्र दैत्यानां वासः इति स्पष्टम्।

नारी शरीरेण कोमला, स्वभावेन उदारा चरित्रेण च पुरूषापेक्षया अत्युदाता। भवति तस्याः सर्व दिनं परिवारचिन्तया सेवया, शुश्रूषया चव्यत्येति, सा स्वयं क्षुधं पिपासां च शमयितुं यतते। परन्तु सा एतस्य प्रतिकारे सर्वस्य उपेक्षायाः एव पात्रं भवति। सभ्यसमाजे नारीणां दशा एतादृशी न भवति सा तत्र सम्राज्ञी इव तिष्ठति। 'न गृहं, गृहमित्याहुः गृहिणी गृहमित्युच्चते, इव्यस्य भावः नार्याः गृहे अच्चस्थितिः स्यादिति।

विद्वांसां हि देवाः, पुरूषाः विद्वांसः तदैव भवितुम् अर्हन्ति यदा तेषां माता गृहिणी विदुषी च स्याताम्, विद्वांसः एव जानन्ति यत्कुले नार्याः प्रतिष्ठा अत्यपेक्षिता अस्ति, अतः मनुना सत्यमेव उक्तम्।

''यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः''

अंजलि जैन
बी.ए. तृतीय वर्ष
रोल नं. 2993320150

शिक्षकः

सर्वेभ्य शिक्षिकाभ्यः शिक्षककेभ्यः च समर्पितम्

किम् अस्ति तत् पदम्
यः लभते इह सम्मानम्
किम् अस्ति तत् पदम्
यः करोति देशानाम्

किम् अस्ति तत् पदम्
यम् कुर्वन्ति सर्वे प्रणामम्
किम् अस्ति तत् पदम्
यस्य छायायाः प्राप्तनम् ज्ञानम्

किम् अस्ति तत् पदम्
यः रचयति चरित्र जनानाम्
'गुरू' अस्ति अस्य पदस्य नाम
सर्वेषाम् गुरूणाम् मम शतं शतं प्रणामः॥

रितु
बी.ए. प्रथम वर्ष
रोल नं. 1210421002107

महात्मा गाँधी

1. महात्मा गाँधी एक: महापुरूष: आसीत्।
2. अस्य पूर्ण नाम मोहनदास कर्मचंद गाँधी अस्ति।
3. अस्य जन्म 1869 तम रव्रीस्ताब्दे अक्टूबर मासस्य द्वितीयायां तिथौ पोरबंदर नाम्नि स्थाने अभवत्।
4. तस्य पितु: नाम कर्मचंद गाँधी मातुश्च पुतलीबाई आसीत्।
5. तस्य पत्नी कस्तूरबा धार्मिक पतिव्रता नारी आसीत्।
6. तस्य उदारान् मानवीयान् गुणान दृष्टवा कवि: रविन्द्रनाथ ठाकुर: तं महात्मा इति शब्देन सम्बोधितवान्।
7. भारतमातु: श्रेष्ठ पुत्र: महात्मा गाँधी स्वातन्यान्दोलने सर्वेषां भारतीयानाम् आधारभूत: मार्गदर्शक: च आसीत्।
8. महात्मा गाँधी भारतस्य राष्ट्रपिता कथ्यते।
9. गाँधी महोदय: सत्यम् अहिंसाम् च जीवने प्रतिस्थापनाय अपितु दृढ़व्रत: आसीत्।
10. तस्य त्यागेन नीत्या च भारत स्वतन्त्रमभूत:।

नितिन
बी.ए. प्रथम वर्ष
रोल नं. 1210421002129

सुविचार

1. **यानि कानि च मित्राणि कर्त्तव्यानि शतानि च।**
   पश्य मूषिकमित्रेण कपोता: मुक्तबन्धना:।

अर्थ – छोटे हो या बड़े, निर्बल हो या सबल अधिक से अधिक संख्या में मित्र बनाने चाहिए। क्योंकि न जाने किसके द्वारा किस समय कैसा काम निकल जाये।

2. **अन्यायोपार्जित वित्तं दस पर्षाणि तिष्ठति।**
   प्राप्ते चैकादशेवर्षे समूलं तद् विनश्यति।

अर्थ – अन्याय या गलत तरीके से कमाया हुआ धन दस वर्षो तक रहता है। लेकिन ग्यारहवे वर्ष वह मूलधन सहित नष्ट हो जाता है।

1. **अनाहूत: प्रविशति अपृष्टो बहु भाषते।**
   अविश्वस्ते विश्सिति मूढ चेता नराधम:॥

अर्थ – किसी जगह पर बिना बुलाये चले जाना, बिना पूछे बहुत अधिक बोलते रहना, जिस चीज या व्यक्ति पर विश्वास नही करना चाहिए उस पर विश्वास करना मूर्ख लोगो के लक्षण होते हैं।

पूजा रानी
बी.ए. तृतीय वर्ष
रोल नं. 2993320042

किम् कर्त्तव्यम्

किं कर्त्वव्यम ?	परोपकारः
किं स्नातव्यत् ?	स्वच्छे नीरे
किं हृर्वव्यम् ?	पर-जन-भरः
क्व भ्रमितव्यम् ?	स्वच्छे समीरे
किं परिधेयम ?	स्वच्छं वसनम्
किं विज्ञेयम् ?	निज-कर्त्तव्यम्
किं श्रोतव्यम् ?	मधुरं वचनम्
क्व स्थातव्यम् ?	सुजन समीपे
क्व पठितव्यम् ?	स्वच्छे प्रकाशं
किं अनुष्ठेयम् ?	निजमन्तव्यम्

क्या करना चाहिए

क्या करना चाहिए ?	परोपकार।
कहाँ स्नान करना चाहिए ?	शुद्ध जल में।
क्या हरण करना चाहिए ?	दूसरों की पीड़ा।
कहाँ भ्रमण करना चाहिए ?	शुद्ध वायु में।
क्या पहनना चाहिए ?	शुद्ध वस्त्र।
क्या जानना चाहिए ?	अपना कर्त्तव्य।
क्या सुनना चाहिए ?	मीठे वचन।
क्या बैठना चाहिए ?	सज्जनों के पास।
कहाँ बैठना चाहिए ?	स्वच्छ प्रकाश में।
किसको संयम में रखना चाहिए ?	अपने मन को।

अंकिता पंघाल
बी. ए. प्रथम वर्ष
रोल नं. 1210421002364

शान्ति मंत्र

सर्वे भवन्तु सुधिनः सर्वे सन्तु निरामया।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दुःख भाग्वेत्॥

अर्थः- सभी सुखी हों वे, सभी रोगमुक्त रहें, सभी मंगलमय घटनाओं के साक्षी बनें और किसी को भी दुःख का भागी न बनना पड़े।

आ नो भद्राः कृतवो यन्तु विश्वतो-
ऽदघासो अपरीतास उद्भिदः।
देवा नो यथा सद्मिद् वृदेऽसन्-
अप्रयुगो रक्षिताये दिवेदिवे॥

अर्थः- हमारे पास चारों ओर से ऐसे कल्याणकारी विचार आते हरें जो किसी से न दबें, उन्हें कहीं से बाधित न किया जा सके तथा अज्ञात विषय को प्रकट करने वाले हों। प्रगति को न रोकने वाले तथा हमेशा रक्षा में तत्पर देवगण प्रतिदिन हमारी वृद्धि के लिए तत्पर रहें।

हंत यत्नेन संरक्षेद वितमेति च याति च।
अक्षीणों विततः क्षीणो वृततस्तु हतो हतः॥

अर्थः- चरित्र को प्रयत्नपूर्वक रक्षा करनी चाहिए क्योंकि धन तो आता-जाता रहता है परन्तु चरित्र से हीन व्यक्ति पूरी तरह नष्ट हो जाता है।

सुमन
बी. ए. प्रथम वर्ष
रोल नं. 1210421002396

वृक्षः मनुष्यस्य जीवने महत्वपूर्णः

वृक्षाः मनुष्यस्य जीवने अति महत्वपूर्णः सन्ति। वृक्षाः अति लाभदायक सन्ति। वृक्षः अस्माकम् वातावरणम् शुद्धम करोति। वृक्षाः पादैः जलं पिबन्ति। वृक्षाः अस्मभ्यम् अतिमूल्यवान सन्ति। वृक्षः अस्माकम् उपरि बहवः उपकारम् करोति। वृक्षः अस्माकम् बहूनि वस्तुनि ददाति यथा फल छाया आदि।

वृक्षाः पणैः पुष्पैः च शोभन्ते। वृक्षाः बहवः रोगाणाम् उपचारम् कुर्वन्ति। वृक्षेण फलानि विकसन्ति। वृक्षाः कार्बनडाईऑक्साइड वायोः ग्रहणं कृत्वां ऑक्सीजन जनयन्ति या अस्माकं जीवनाय आवश्यकी।

वृक्षेभ्यः करणात् एव वृष्टिः भवति। येन धरा हरितवर्णः भवति। वृक्षाः अस्माकं परं मित्राः सन्ति येषां रक्षा अस्माकं प्रथम कर्तव्यः। यदा धरयां वृक्षाः एवं न भविष्यनित तर्हि जीवनं कुतः सम्भवः।

वृक्षाः जनाः स्वच्छम् वायुः ददाति। अतः एव उच्चयते

परोपकाराय फलन्ति वृक्षाः,
परोपकाराय वहन्ति नद्यः।
परोपकाराय दुहन्ति गावः,
परोपकारार्थं इदम् शरीरं॥

ज्योति
बी. एस. प्रथम वर्ष
रोल नं. 1210421002105

एहि एहि वीरे रे

एहि एहि वीर रे
वीरतां निधेहि रे
पदं हदं निधेहि रे
भारतस्य रक्षणाय
जीवनं प्रदेहि रे॥

त्वं हि मार्गदिर्शकः
त्वं हि देशरक्षकः
त्वं हि शत्रुनाशकः
कालनाग तक्षकः॥

साहसी सदा भवेः
वीरतां सदा मजे
भारतीयसंस्कृति
मानसे सदा धरेः॥

पदं पद मिलच्चलेत्
सोत्सांह मनो भवेत्
भारतस्य गौरवाय
सर्वदा जयो भवेत्॥

प्रियंका
बी. एस. प्रथम वर्ष
रोल नं. 1210421002391

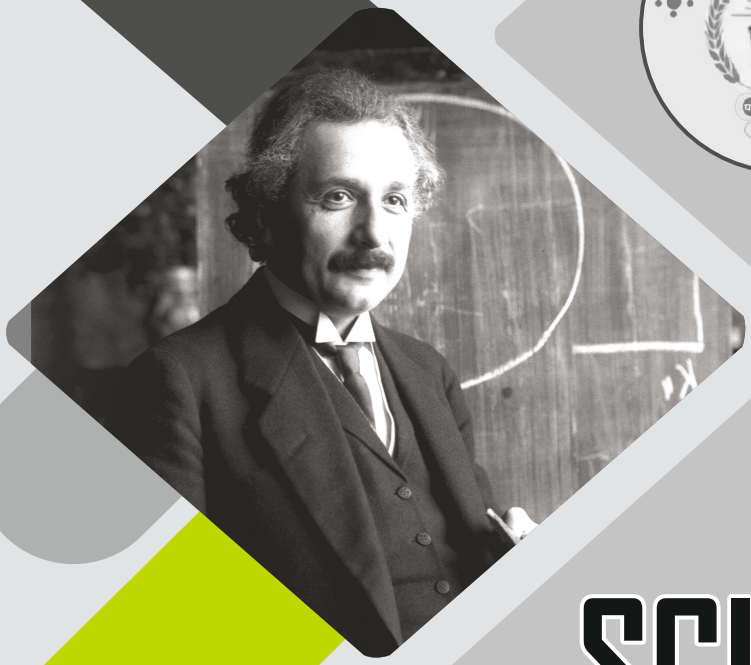

SCIENCE SECTION

ROLL OF YOUTH IN NATIONAL BUILDING

The role of youth in national building or development is very important and this is because the development of any nation lies in the future generation. Democracy economy, technology and the improvement of medical science all lie in the hands of the youth. The world isfacing many problems like global warming, unemployment, poverty and pollution of many types, the answers lies with the next generation. History is evident that the next generation has been the answer to solve future problem.

Swami Vivekananda said"My faith is in the younger generation, the modern generation and out of them will come to my workers more than 60% of the youth helped germany win first world war. The mission to make first person walk on moon consisted of more than 80% of the youth who helped the planning of the mission. Indian youth played very vital role to make our country free from British rule when the youth is united, we can make the world a better place to live and when we are divided we also have the power to destroy the world.

Youth is most dynamic and important segement of the population in any country. History and statistics show the developing country which have a huge youth population could be seeing tremendous growth in all secters of the country provided they invested in young's people's education, health and guarntee their rights. It is belived that today's young minds and tomorrows leader creators, builders and innovators .

India is the youngest nation in the world. It is extimated that average age or the cou try by 2023, would be 29.

Youth has the power to bring change. They have the power to deemand justice. For example mass protest by youth in Delhi for the justice of Nirbhaya case is the best example of strength of youth. Educational programs should be developed that aim to teach the youth people from school level the importance and impact they can have on the country they should know about how the country works and how it can be significant part of the development of country . Youth should be motivated to consider different career option like politics. Which eventually helps in running the country.

Our nation has been facing a lot of problems and the youth has the power to resolve most of them. All the youth of today need a chance to prove themselves. During the protest against corruption, rape, we have seen that youth has the power to unite people from various groups.

The fight within the youth are created by politics. They know that the only way they could defeat the power of youth when they are divided that is why we need youth in politics. Youth leader could convince the people to live in harmony youth leaders should lead the way and help the majority focus on real issue such as poverty, unemployment, crime against women and manymore. So we can say that youth can play a vital role in national building.

Sombir Charkhiwal
HOD Physics Deptt.
Editor Science Section

I LIKE MY COMPUTER

A server was a man with drinks, A Notebook was where you write
A click was done with fingers, And a reboot means you had a fight

Cyberspace was where the spaceships went, A screen saver was a cinema's bodyguard
Traffic only happened in cars, And Spam always had a lot of lard

Java was a type of bean, Hacking was what an axe-man's job,
A platform was where you sang, And a volley was a type of lob

Scan was to read really fast, A Monitor was a teacher
A shortcut was a dangerous way, And Shout-Outs done by preachers

Meg was the name of my girl friend, And gig was a job for the nights.
Now they all mean different things, and that really megabytes.

An application was for employment, a program was a TV show.
A cursor used profanity, a keyboard was a piano.

Memory was something that you lost with age, A CD was a bank account.
And if you had a 3 inch floppy, you hoped nobody would ever find out.

Compress was something you did to the garbage, Not something you did to a file,
And if you unzipped anything in public, You'd be in jail for a while.

Log on was adding wood to the fire, Hard drive was a long trip on the road.
A mouse pad was where a mouse lived, and a backup happened to your commode.

Cut you did with a pocket knife, Paste you did with glue.
A web was a spider's home, and a virus was the flu.

I guess I'll stick to my pen and paper, and the memory in my head.
I hear nobody's been killed in a computer crash, But when it happens they wish they were dead!

In our World of technology a computers are magic, driving us through logic.
Computer can handle our bank accounts, and in online shopping can provide us discounts.

Computer can store our databases, also providing us platforms to see online faces.
Computer can remove corruption, and can put us in online discussion.

Computer won't be hungry, but can make progress of our country.
I like my computer…

Dr. Banta Singh Jangra
HOD, Deptt. of Computer Science

METAVERSE,OPPORTUNITIES AND FUTURE CONCERN

Metaverse is the technology of the next generation internet which focuses on simulation of events. It is a buzzword of digital technology that includes virtual reality, augmented reality,blockchain technology, artificial intelligence ,machine learning and video for users to be present "live" within a digital universe. Hence, it is a stimulated environment where stimulators mimic and interact like the real world. it is a world where a user is a virtual world with a unique identity. It provides a 3D world for its users with real-time events and infrastructure. Hence, the user of it feels itself in a virtual world with real-time events around the world.

Opportunities

This technology helps to participate in events and activities seamlessly with little effort to perform activity. e.g one can buy items on e-commerce sites by feeling their presence in the market or eat food at home by considering himself at a party.Hence, this technology eating a user-centric approach to performing. This technology helps users to simulate a number of activities virtually all together and in one place. This technology will transform the way of involves by involing the client to interact with them by the use of visualization and be present in virtual societies ,activities events in a easy way instead of logging into varios apps.metaverse provide cross platform interaction facility all over the world for our friends ,collegue ,family and relatives.

Future concern

Technology is changing every life ,with these changes coming into force. The major concern is user privacy and security resources. Use of this technology will change business activities , financial transactions , advertisements, interaction of users socially. All this requires investment in new hardware ,software, and a high-speed internet that will impact on the cost of use of this technology. Initially, it will be tough for companies to involve all customers at reasonable cost and if timely cost will not be cut, then it may divide society into two different categories, which will not be a good sign. Hence, big enterprises and governments of countries should step forward in this direction to match with it's pace.

Metaverse in India

A couple from Tamil Nadu married using metaverse in Feb 2022 by virtually inviting guests, and a pop singer, Deler Mehandi, performed at a concert on Jan 26, 2022 by this technology. T-Series and Hungama Digital Media are also planning to launch digital artwork and NFTs alongside their films. Keeping in view the popularity and future scope of our Indian big IT industries, TCS, Infosys, and HCL have planned to invest in this field. Hence, the metaverse is rapidly becoming a famous aspect of technology around the world, including India.

Anil Kumar
Assistant Professor (Computer Science)

Solar Cell : Future Energy Source

We know in our solar system the sun is the biggest source of energy. The sun provides a tremendous resource for generating clean and sustainable electricity without toxic pollution or global warming emissions.

Human beings have used its energy to heat their homes, cook their meals, and produce hot water for thousands of years. In the late 19th century, we were still harnessing the sun's energy with simple passive solar water heaters by absorbing the sun's heat during the day. However, in 1954 the world saw its first silicon solar panel created by Bell Labs, the technology represented a huge bounce in humankind's ability to harness the sun's energy, and after that the world has made tremendous progress in solar panel technology. In fact, countries like Germany get more than half of their electricity from solar panels. We can say that the renewable such as solar can be quite capable of supplanting traditional fuel sources if a deep concerted effort is made. However, silicon panels are intrinsically inefficient at creating usable energy; researchers have been looking into alternative materials, like Perovskites, to replace current silicon technology. Advancements in solar energy technologies have opened the door to a variety of different implementation of solar technology. Solar energy technologies and power plants do not produce air pollution or greenhouse gases when operating.

Criteria for the materials used in solar cell must have high optical absorption. It must have high electrical conductivity. The raw material must be available in abundance and the cost of the material must be low. The materials which are used for making solar cells must have band gap close to 1.5ev. Commonly used materials are Silicon, GaAs, CdTe etc.

Using solar energy can have a positive, indirect effect on the environment when solar energy replaces or reduces the use of other energy sources that have larger effects on the environment. Although not all countries are equally endowed with solar energy, a significant contribution to the energy mix from direct solar energy is possible for every country. The cost of manufacturing solar panels has plummeted dramatically in the last decade, making them not only affordable but often the cheapest form of electricity. Solar panels have a lifespan of roughly 30 years, and come in variety of shades depending on the type of material used in manufacturing.

Solar cell energy conversion efficiencies for commercially available multicrystalline Si solar cells are around 14–19%. The efficiency of different solar PV cell

types: Polycrystalline - 15 to 18% , Monocrystalline - 16.5 to 19%, Polycrystalline PERC - 17 to 19.5% , Monocrystalline PERC - 17.5 to 20% , Monocrystalline N-type HJT - 19 to 21.7% , Monocrystalline N-type IBC - 20 to 22.8%.

Solar energy systems such as solar farms and concentrating solar power (CSP) plants would become the world's most valuable energy resource, generating more energy than fossil fuels, wind, or hydroelectric systems, as well as reducing carbon emissions by 6 billion tonnes per year. The world only gets about 1% of its energy resources from solar; however, it is entirely feasible that in the next 20 years we will be able to enhance this percentage at least upto 27%. Further, in the coming years thing will be possible to get more power from the solar cell just to install the solar modules at all walls of our houses including roof as well as car, bus, truck, trains etc.

Dr. Pawan Kumar Saini,
Deptt. of Physics

CONTRIBUTION PHYSICS IN MODERN HEALTH SCIENCE

Many of the greatest inventions in modern medicine were possible only by importing techniques developed during experimentation in physics labs. Many of the techniques used for examining the eye and treating ocular diseases take advantage of the properties of light. Clinical thermometer (used for measuring body temperature), stethoscope (schope to hear characteristic sound made by internal organs), sphygmomanometer (used to measure blood pressure) are the instruments based on the principles of physics. These have been the indispensable tools in healthcare for domain for centuries.

X-RAY IMAGING

X-ray are electromagnetic radiation whose wavelength lies in the range of 1 A to 10 A. Practically from the moment of the discovery of the X-ray, they have been used to see the interior of the human body. These radiations can be used to take photographs (radiographs) of the inside of the body. X-ray are absorbed by dense materials inside the body (like bone) but not lighter substances like tissue. Hence X-ray can show change in tissues and organs, such as the breasts and lungs. Since X-ray are ionizing radiation, they pose a radiations-induced health hazard. In recent years radiographic images are taken and stored digitally. The improvement in techniques not only reduced unnecessary radiation doses to the patients but also increased the sensitivity of imaging.

ULTRASOUND OR SONOGRAPHY: A COST EFFECTIVE DETECTION TECHNIQUE

Contemporary to the discovery of X-ray, another technique of seeing inside the body was developed. This technique was based on using ultrasound i.e. sound waves with a frequency above human hearing range. Ultrasound imaging is medical application of SONAR (Sonic navigation and ranging) technology developed originally to located submarines in naval warfare. Typical diagnostic ultrasound (sonographic) scanner operates in the frequency range of 2 to 18 megahertz. The ultrasound scanner has a microphone which gives of sound waves and this microphone is passed over the body. The sound bounces off the organ inside the body and is picked up again by the microphone. The microphone is linked to a computer which turns the reflected sound waves into a picture. A water based gel is used to couple the ultrasound between the microphone and patient. In this technique, the famous acoustic effect called Doppler effect can be used to measure the speed of flowing blood. This is useful in diagnosing heart-related problems as well as loss of flexibility of cardiovascular tissue. This is a cost effective diagnostic technique with no health related side effect as in X-ray and CT scanning.

PET IMAGING

PET stands for Position Emission Tomography. This technique uses short-lived positron-emitting radionuclide (commonly FDG-18) which is a radioactive equivalent of glucose produced in a cyclotron. When FDG-18 is injected into the body of the patient if goes to places where glucose is used for energy. The short-lived FDG-18 dccay and emits positrons. These positrons rapidly encounter with electrons in the body and annihilated to produce a pair of photons which move in opposite directions. These photons are

captured in special crystals and the 3D images produced with the help of computer techniques. this can show cancers because cancerous tissues use glucose in a different way from normal tissues.

LASER THERAPY

The term LASER stand for "Light Amplification by Stimulated emission of radiation". Really speaking the technique was developed for war. Some physicists found its applications in healthcare also. A LASER can deliver concentrated energy is a form of finely controllable light beams. Clinicians can use them to perform surgery having less blood loss and shorter recuperation time. A LASER is often used for corneal eye surgery to improve vision, removing kidney stones, removing tumors and skin surgery.

RADIOTHERAPY OR RADIATION THERAPY

Radiation therapy has emerged as the most effective therapy for cancer. Soon after its discovery, X-ray were used for therapy of skin lesions. Techniques were evolved to treat deeper tumors with X-ray.The X-ray therapy machine are in vouge to treat cancer but in developed countries the field known as external radiation therapy. In developing countries like ours co-60 therapy radiation therapy revolutionized after the advent of the linear accelerator. It is sophisticated high energy machine that can deliver a beam of energetic X-ray or electron to treat malignant tumor of cancer. Advanced cancer treatment techniques like 3D CRD (3D Conformal Radiation Therapy) and IMRT (Intensity Modulated) Radiation Therapy) are possible on these machines.

Dr. Tamanna Sethi
Deptt. of Physics

FUTURE HOPE OF THE COUNTRY

Student are the future hope of the country a student is like only which can be molded into only shope. Hence, tis is very necessary that the students should be brought up and taught in the right ways. Teachers and parents are responsible for shoping the character of students. Discipline is the foremost quality of student. He should be obedient, simple and humble.

He should respect his elders and gain, Knowledge so that he may become a good citizen an ideal student should keep himself healthy by taking parts in games and extra curricular activities. He should select his pried wisely.

The school is a community and ideal student sould have good relation with his teachers & friends. He should admit his mistake, get it corrected and learn from it. He should be fully conches of his duties and responsibilities. He sets an example for the your generation.

Rahul
B.Sc. (III)
Roll No. 2994210064

SCIENTIFIC LOGIC BEHIND INDIAN TRADITIONS

Religion and science are not opposite streams. There is a strong connection. From the dash avatar sitting on the floor and eating, everything is pure science. The rituals followed in India are also aimed at bringing a holistic balance between the body, mind and soul, Here we will throw light on each Hindu ritual.

JOINING BOTH PALMS TOGETHER TO GREET

In Hindu culture, people greet each other by joining their palms - termed as "Namaskar" The general reason behind this tradition is that greeting by joining both the palms means respect. However, scientifically speaking, joining both hand ensures joining the tips of all the fingers together; which are used to the pressure points of eyes, ears, and mind. Pressing them together is said to activate the pressure points which helps us remember that person for a long time.

APPLYING TILAK/KUMKUM ON THE FOREHEAD

On the forehead, between the two eyebrows, is a spot that is considered as a major nerve point in human body since ancient times, The Tilak is believed to prevent the loss of "energy" and the red 'kumkum' between the eyebrows is said to retain energy in the human body and control the various levels of concentration. While applying kumkum the points on the mid-brow region and adnya-chakra are automatically pressed. This also facilitates the blood supply to the face muscles.

WHY DO TEMPLES HAVE BELLS

People who are visiting the temple should and will ring the bell before entering the inner sanctum where the main idol is placed. According to Agama Sastra, the bell is used to give sound for keeping evil forces away and the ring of the bell is pleasant to God. However , the scientific reason behind bells is that their ring clears our mind and helps us stay sharp and keep our full concentration on devotion purpose. These bells are made is such ia way that when they produce a sound it creates a unity in the left and right parts of our brains. The moment we ring the bell, it produces a sharp and enduring sound which lasts for minimum of 7 second in echo mode. The duration of echo is good enough to activate all the seven healing centers in our body. This results in emptying our brain from all negative thoughts.

SITTING ON THE FLOOR & EATING

This tradition is not just about sitting on floor and eating, it is regarding sitting in the "Sukhasan" position and them eating. Sukhasan is the position we normally use for Yoga asans. When you sit on the floor, you usually sit cross legged in Sukhasana or a half padmasana (Half lotus), which are poses that instantly bring a sense of calm and help in digestion, it is believed to automatically trigger the signals to your brain to prepare the stomach for digestion.

WHY YOU SHOULD NOT TO SLEEP WITH YOUR HEAD TOWARDS NORTH

Myth is that is invites ghost or death but science says that is because human body has its own magnetic field (Also known as hearts magnetic field, because the flow of blood) and earth is giant magnet. When, we sleep with head towards north's magnetic field. That cause problems related to blood pressure and our heart needs to work harder in order to overcome this asymmetry of magnetic fields, Apart from this another reason is that our body have significant amount of iron in our blood. When we sleep in this position, iron from the

whole body starts to congregate in brain. This can cause headache, Alzheimer's disease, cognitive decline, parkinson disease and brain degeneration.

SURYA NAMASKAR

Hindu Have a tradition of paying regards to sun god early in the morning by their water offering ritual. It was mainly because looking at sun rays through water or directly at that time of the day is good for eye and also by waking up to follow this routine, we become prone to a morning lifestyle and mornings are proven to be the most effective part of the day.

CHOTI/SHIKHA ON THE MALE HEAD

Sushrut rishi, the foremost surgeon of Ayurveda, describes the master sensitive spot on the head as Adhipati Marma, where there is a nexus of all nerves. the shikha protects this spot. Below, in the brain, occurs the Brahmarandhra, where the shushumna (nerve) arrives from the lower part of the body. In yogm Brahmarandhra is the highest, seventh chakra, with the thousand petalled lotus. It is the centre of wisdom. The knotted shikha helps boost this centre and conserve its subtle energy known as ojas.

WHY DO WE FAST

The underlying principle behind fasting is to be found in Ayurveda. This ancient Indian medical system sees the basic cause of many diseases as the acumulation of toxic materials in the digestive system. Regular cleansing of toxic materials keeps one healthy. By fasting, the digestive organs get rest and all body mechanisms are cleansed and corrected.

THE SCIENCE EXPLANATION OF TOUCHING FEET (CHARAN SPARSH)

Usually, the person of whose feet you are touching is either old or pious. When they accept your respect which came from your reduced ego (and is called your shraddha) their hearts emit positive thoughts and energy (which is called their karuna) which reaches you through their hands and toes. In essence, the completed circuit enables flow of energy and increases cosmic energy switching on a quick connect between two minds and hearts. To an extent, the same is achieved through handshakes and hugs. The nerves that start from our brain spread across all your body. These nerves or wires end in the fingertips of your hand and feet. When you join the fingertips of your hand to those of their opposite feet, a circuit is immediately formed and the energies of two bodies are connected. Your fingers and palms become the 'receptor' of energy and the feet of other person become the 'giver' of energy.

WHY DO WE WORSHIP IDOL

Hinduism propagates idol worship more than any other religion. Researchers say that this was initiated for the purpose of increasing concentration during prayers. According to psychiatrists, man will shape his thoughts as per what he sees. If you have 3 different object in front of, your thinking will change according to the object you are viewing similarly, in ancient India, idol worship was established so that when people view idols it is easy for them to concentrate, to gain spiritual energy and meditate without mental diversion.

Dr. Tamanna Sethi
Dept. Of Physics

IS SCIENCE A BLESSING OR A CURSE

The modern age is on age of science . Science has changed the face of the world. It has given us to both good and bad things. It has brought heaven to the earth. It has given us things to end the world in a few minutes. Thus science is both a blessing and a curse.

The inventions of wireless sets, radios, televisions, computers etc are same of the wonder of science. Science made our life safe, too. Its progress in medical science is remarkable. Difficult operations have become common today. The X-Ray machine is yet another wonder of days. Electricity is one of the finest gift of science exotricity runs heavy machine. But this one side of the picture. Scinece has brought us near to the end of the world. It has given us many destructive things. Thus, our life is quite unsafe today.

ROLE OF NCC IN DISASTER MANAGEMENT

Dear Reader, I am former U.O. Aakash Saini (HR/19/SDA 265555) FROM "II HAR NCC BN Bhiwan" & This article is about my experience of Voluntarily duty of NCC Cadet in Disaster Management.

As we know, NCC Cadets plays on imporatnt Role during disaster management to help the citizens of our country. We know that disaster management is the organization and management of resources & responsibilities for dealing with all humanitarian aspect of emergencies in particular preparedness, Respeonse & recovery in order to lesson the impact of disaster

- Types of Disaster Management :-

1. Natural Disaster :- Strom, Cyclone, Flood, Earthquake etc.
2. Man Made Disaster :- Acciedent, Fire, Poisioning, Ecological etc.

- Role of NCC Cadets for maintain essential Services are -

i) Telephone exchange as operators.
ii) Hospitals - As nurse & act as linked with doctors.
iii) Firsaid centres - Establish & run these centres.
iv) Assist civil defence wardens in carrying out their duties.
v) Carry our neighbourhood compaigns by motivating people create self assistance group

These are the roles that NCC Cadets play during disaster management.

Aakash Saini
B.Sc (Final)

DOES MONEY MAKE MONEY THINGS?

Now a days people work like machine just to cash more money from more than one source. They feel that they can get everything with money they miss precious moments that like offers to humans.

There is no end to that want of earning at the peak they feel that they are the only person possible for their success. But it is sad to say that at the stage they forget taking care of their parents and family members, supporter. who made them strong.

There is a sentence "Money makes many things"is this true? Now people are earning lacs of money per month. Are they happy? No, because they miss something. if he cares to satisfy the basic need of the family and education and future of the children. People wish a luxurious life. with this aim they work like a machine. At the end they realize that they couldn't take even a single rupee with them this is the reality of life. So lets spend money by donating some to the need. and we can spend time with our parents who gives us such a wonderful life. "Money is only something but not everything in life.

Naveen Yadav
B.Sc. (Final)
Roll No. 2994210070

Is India's Higher Education System Future Ready

India is indeed a land of paradoxes.

A young man, of west Bengal, who had nothing but his real of studying . He loved to cycle his ways to his local state institutions. He is famous today as Dr. Amastya Sen-one of the very few Nobel laureates to have tertiary education indigenously the another story is of equally zealous girl-she was proved to be the Det M.D. from tribal bhil community.

In 2019 on a underwater day she committed suicide alleging caste discrimination. Her name Ms. Payal Tadui, Will probably find maintaining in few essays/articles and soon she will be forgotten.

So what went really wrong? These are two heros, one of which was failed by society and state both & the other is widely hailed. This prompts us to question-what is our education sector is future ready?

Higher Education System: The Road Blocks

Gross enrollment ratio in higher education system is just 19% so accessibility is a big issue. GER falls particularly for valuable groups like sc/st/minorities. The rich-poor divide and rural-urban divide is early . Reason include lack of availability of college, poor transportation facilities and social-cultural bias against woman. The cost factor is also concern. Afford ability of higher education takes a beating due to high fees in put. College lack of availability of affordable loon and scholarship for poorer sections of society delayed education of ossiculum lack of flexibility is exam pattern, poor training of teaches and non in corporation of technology based tools hiness the quality important.

Journey So far

India's present higher education system has some mutable achievements. Recent efforts by gout to in crease the no. has resulted into in creased also queen opportunity to poorer sections to fulfill their dreams for. Social economic mobility. In creased funding is providing via. Market based me chamism to ensure outcome based mechanism ot ensure outcome based approach improving the system . Sharing of human and material resources creating an open source library can hour huge benefit in improving inclusivity.

Journey Ahead

In the present conditions of fractures in society, only emphasis on liberal arts education and promotion of values of equality, justice, love, tolerance can take us forward . Promotion of critical thinking, emotional intelligence, creativity should be done in higher education system. In this age of knowledge economy, human resources are most valuable assets. Introduction of updated curriculum, adequate training of teachers, increasing enrollment of valuable section of society can go a long way in this. Recently some districts in M.P. have adopted e-attendance in college which have reduced teacher's absenteeism and ensured accountability in system. A fair and merit based approach can attract good talent in teaching professions. Political value needs to shift their attention towards higher education reform. An ethical education has the capability of breaking narrow domestic walls and promote humanity to higher values.

Pratibha
B.Sc (Final)
Roll No. 2994220007

JUST DO IT...

Time will move on and you will be left just wondering what people will say in that theft...
It is the time to do something and move on..
Otherwise you will think why time has gone..
Your dreams would not get over...
Till you crush them like wheat into flour...
Every human has a problem...
But the fact is some has many and some has random..
Overcome our every obstacle and let yourself like a star twinkle.

Aakash
B.Sc (III)
Roll No. 2994210024

EDUCATION

Education has a very important role in our life. Education is the word that teaches a lessen to live life. Education is the basic of human life. Education should be equally for both men and women because both together make a healthy and educated society.

The first school of any lesson is his family and mother is said to be the first Guru. Education is that weapon with the help of which one can face the biggest difficulties. Without education we cannot do any work well. Education is useful in every area of our life. Goods education helps in removing all the differences of the society. In our society uneducated person is treated like on animal.

Education is such a thing, which removes the animality of man and teaches him to live life. the holistic development of the human mind is possible only through education. It improved our knowledge, skills, confidence level and personality. Education does not mean booking knowledge, but an education that can really make a men human, identify his value. The message of love, the message of humanity can be spread in the society only through good education.

Education is very useful in everyone's life. Education is what sets us apart from other living beings on earth. It makes man the smartest creature on earth. It Improves human beings and prepases them to face the challenges of life efficiedly.

Nelson Mendela has said that:
Education in the most powerful
weapon you can use to change the world

Tarun
B.Sc. (Final)

EASY V/S DIFFICULT

Easy is to get a place in someone's address book,
Difficult is to get, place in someone's heart.

Easy is to judge the mistakes of others,
Difficult is to recognize our own mistakes.

Easy is to hurt someone who loves us.
Difficult is to heal the wound.

Easy is to dream every time,
Difficult is to accept defeat with dignity.

Easy is to pray every night,
Difficult is to accept defeat with dignity.

Easy is to criticise others
difficult is to improve oneself.

Easy is to talk without thinking,
Difficult is to cannot the tongue.

Deepika
B.Sc 1st (Non-Med.)
Roll No. 1210421015012

WHAT IS LIGHTNING

We 've all heard the saying that lightning never strikes the some place twice, but is it true? The answer is absolutely not, In fact, lightning occurs so frequently that it would be hard for that to be true. At any given time, there are 2000 thunder storms on the planet, and they produce around 6000 lighting strikes every minute. That's more than 8.5 million strikes a day. They each have 100,000 times the power of household electricity.

So what is lightning lightning is a very quick electrical discharge that occurs between a cloud and the ground, between two clouds, or within a cloud. It can be seen as a bright flash and is followed by the sound of thunder.

HOW DOES LIGHTNING FORM?

Lightning is usually associated with thunder storms which are short lived localised storms that have vertical air motion, humidity and in stability however, there is a series of events that occur for lightning to develop that are known.

- The development of a thunderstorm causes electrical charges to be separated.
- The updraft of air causes positively charged water droplets with it.
- The downdraft of precipitation transports negatively charged water drops downward to the bottom of the cloud.
- A finger of negative electricity shoots down from the cloud and meets a finger of positive electricity that ths shooting up from the ground. They connect and a surge of electricity strikes downward. This may happen several times in rapid succession uniall all negative charges are gone to bottom of the cloud. This type of lightning is called cloud-to-ground lightning. It only makes up about 20% of lightning in a storm, but it is the most destructive there are other types of lightning in a strom Intra-cloud lightning, cloud-to-cloud lightning happens in storms in the some way, only the discharge occur from one cloud to another.

Deepika
B.Sc 1st (Non-Med.)
Roll No. 1210421015052

LIFE ON MARS

Four and half billion yours ago, a rock was formed on Mars by some volcanic process. Half billion your later, this rock was broken into smallest pieces by a meteorite impact nearby. Some ground water also entered the rock 16 million years ago, on asteroid hit mars somewhere near where this rock was. The impact throw piece of the rock into space. One 2 kilogram piece of rock obtained from sun until 13,000 years ago, another glacier. Over 13000 years, it reached the Allan hills region of Antarctica, buried inside the sea/ice. In 1984, this meteorite was discovered and named ALH84001. A large number of people worked out this history of the meteorite that we just narrated this year, A team led by David Mckay of the American space organizations NASA, suggested that there seemed that there seemed to be signs that life may have existed on this rock in some bygone era: The meteorite has some organic molecules of the same family as naphthalene. When bacteria decay, such compounds are produced Many meteorites do have such compounds. the meteorite has iron oxide (Magnetites) of the sort which some bacteria on earth secrete. It has iron sulphide, which is produced by some an aerobic bacteria. The material has some balls of carbonate material, which may be formed by some living things. On the other hand, almost all earth bacteria are 100 times larger than this material. The meteorite may contain very small fossils (less than hundred million of a millimeter) None bacteria are this size.

In 1961, another meteorite was found to have signs of life. But soon these were discovered to be grains of pollen and particle of furnace ash. The signs of life turned out to be from earth itself. this could be the case of the Antartic meteorite too what makes scientist more helpful is that some of these items mentioned are within cracks, and the cracks could only have been formed before the meteorite bacteria life that we see are from when the rock was on mars. In 1976, the VIKING spacecraft failed to find only such bacteria on Mars million of years ago but aren't these now.

Scientists are looking at ALH84001 very, very carefully and even us president bill CLINTON has promised support for a new NASA spacecraft to Mars. The surface of Mars today does not seen like the sort of place hospitable to life. It is dry and cold, plunging down as far as negative 220 degrees Fahrenheit . Its thin atmosphere cannot block ultra violet radiation. From space, which would devastate
any known living on the surface of planet.

VENUS: THE MISSION OF ISRO

After the successful mission on mars, ISRO is going for next mission on Venus. The chairman of ISRO, S. Somnath, while the mission to study the planet Venus largely mysterious despite several science mission by space faring nations, was justifiable to the aim is to have a unique outcome from the mission on Venus.

WHY WE NEED TO RESEARCH ON VENUS

Venus, the second planet from the sun, lies on average, Venus, 108 million km from the sun, about 30% closer than the earth which is at 149.6 million km away from the sun. Venus is often referred to as our sister planet because of similarities in size, mass, density, escape velocity, volume and specific gravity. It is believed that both planets share a common origin forming at the same time out of a condensing nebulosity around 4.5 billion years ago. Inspite of these similarities, venus differs from earth atmosphere, solar days & years of revolution. Also, venus has no surface water & it has a toxic and heavy atmosphere. At the surface of venus. He atmospheric pressure is over 90 times that of earth as sea-level.

The Venus is the hottest in the solar system at a searing 75 k (477^0C) Incident sunlight is trapped by the atmosphere and cannot radiate out into space with a resulting boast to the surface temperature.

ABOUT THE MISSION

Despite several mission to venus, there is still much that is unknown about out celestial neighbours. Scientists believe that at a time. Venus was also a habitable planet like earth. But due to climate change, the venus atmosphere became toxic and heavy. ISRO is going to lunch the mission by December 2024 with on orbital manoeuver planned for a year after that in 2025, the earth and venus would be aligned in a manner that it would require a minimum amount of propellant for the space craft to enter the orbit of hottest planet in the solar system. A similar window to conduct the mission would next be available in 2031.

PLANS FOR THE MISSION

A per the initial plans, ISRO's spacecraft is expected to be injected into a 500 km x 60000 km orbit around venus, which will be reduced to 300x300 km science orbit via aero braking, which may take 100 to 150 orbits around venus that is six to eight mouths here. the mission will include the following phases:

- Earth sound and trans-venus phase.
- Earth to venus transfer.
- Venus orbit insertion.
- Aerobraking phase.
- Venus science orbit phase.

AIM OF THE MISSION

The aim of the mission is to study venus atmosphere, how and when atmosphere changes took place on the venus?

the key objectives of the mission are :

(i) Investigation of surface process and shallow subsurface, stratigraphy.
(ii) Study of the structure, composition and dynamics of the atmosphere.
(iii) Investigation of solar wind interaction with venusian ionosphere under these, ISRO will study active volcanism, occurence of lightening, craters, presence of oxygen, venus etc.

Monu
B.Sc 1st (Non-Med.)
Roll No. 1210421015016

A.P.J. ABDUL KALAM

Avul Pakir Jainulabdeen Abdul Kalam was an Indian aerospace scientist who serves as the 11th president of India from 2002 to 2007. He was born and raised in Rameshwaram, Tamilnadu and studied physics & aerospace engineering.

Born	15th October 1931, Rameshwaram
Died	27th July2015, Shillong
Full Name	Avul Pakir Jainulabdeen Abdul Kalam
Awards	Bharat Rana, Veer Savarkar Award, Padma Bhushan, Hoover Medal, More.
Education	Madras Institute of Technology Anna University (1955-1957)
Parents	Jainulabiddin Marakayar, Ashiamma Jainulabiddin

He spent next four decades as a scientist and science administer, mainly at the defense research and development organization (DRDO) and Indian space research organization (ISRO) and was intimately involved in India's civilian space program and military missile development efforts. He thus come to be pennon as missile man of India for his work on the development of ballistic missile and launch vehicle technology.

He also played a pivotal organizational, technical and political role in India's Pokehran-II nuclear tests in 1998, the first since the original nuclear test by India in 1974. Kalam was elected as 11th president of India in 2002 with the support of both the ruling Bhartia Janta Party and the then opposition Indian National Congress. Widely referent to as the "People's President" he returned to his civilians life of education. Writing and public service after a single term. He was a recipient of several prestigious awards including the Bhart Ratna, India's Highest Civilian honor, While delivering a lecture at the Indian Institute of management shillong, Kalam calloused and died from an apparel cardiac arrest on 27th July 2015, aged 83

Kiran
B.Sc (Final
Roll No. 2994220021

INDIA'S FEMALE PHYSICIST INSPIRING GIRLS

India is patriarchal society in which men are seen as intelligent than women. It is believed that women are very poor in technical subjects like Mats, Physics and programming field. Let us break the stereotype and see some of latest women physicist from India who have added rich history in science.

In my list name is **Dr. Amruta Gadge**

The Mumbai bron physicist has created the fifth state of matter, while working from her living room, during the coronarius lockdown. Lab news reported that Dr. Gadge, who works in the quantum system and devices laboratory at the University of sussex created a Bose-Einstein condensate (BEC) which is considered to be the fifth state of matter (where cold atoms comprise together like a single entity) And this is the first time that someone created BEC remotely in lab.

The Next name is **B. Vijaylaxmi**

She was a physicist born in a very conservative family and it was remarkable that she could overcome the conventional gender restrictions She expired on 12th May 1985 at the age of 33 due to cancer. She explored the topic of relativistic equations of higher spin in external electromagnetic and gravitational fields, looking for ways higher spin theories could be constructed. She describes large classes of relativistic equations previously unknown to the scientific community.

The 3rd Name is of **Rohini Godbole**

She is an Indian physicist and academic, born in 1952 in Pune. specializing in elementary particle physics: field theory and phenomenology. Particle physics phenomenology is the field of theoretical physics that focus on the observable consequences of th fundamental particles of Nature and their interaction. She worked in particular on exploring different aspects of the standard Model of particle Physics (SM) and the physics beyond. Her work regarding hadronic structure of high-energy photons outlined a variety of ways in which to study it and has had implications for the design of next generation electron positron colliders. She is an elected fellow of all three academies of science of India and also the science academy of the developing world (TWAS). Sha has won Padma Shri for her contribution in science and technology.

The Next Name is **Tessy Thomas**

Tessy Thomas born in Aprin1963 in Odisa. She is known as the 'Missile Lady' due to the successful launch of Agni series of missiles. She was the project director for the Agni-IV and Agni-V missile in Defence Research and Development organisation and is the first Indin woman scientist to have headed a missile project. She is also recipient of the Lal Bahadur Shastri National Award.

"The most effective way to do it, is to do it" To invent a big thing we need to have courage and these women can be the role model for those who has ability to do but lacking in courage. These names break the glass ceiling effect which bind the women in pink collared job.

JIYA
Roll No. 299422023

PLASTIC POLLUTION

Forget Paper and Plastic.....Go Reusable

We've all been to the grocery store and been asked, "Paper or Plastic" which are is the best option for environment? Most realizers use plastic bags according to the research somewhere between 500 billion & 1 trillion plastic bags are used each year. Throughout the world. These bags are made from petroleum and don't really decompose in a land fill. Instead they break down into smaller pieces, which harm the soil and get eaten by animals. Plastic bags also cause problems for animals, trapping for choking thousand of sea turtles, whales & other animals, both in the ocean and on land.

But are paper bags the answer? Not rally, according to the research. It takes more than four time as much energy to produce a paper bags as to produce a plastic bag and paper bags are made mostly form tress, which meany millions of trees are cut down each year to produce them. Producing the paper to make the bags release toxic chemicals into air and water nearby. In fact, they cause 70% more air pollution and 50 times more water pollution than plastic bags.

The best answer to paper or plastic?

Is no thank you, Reusable bags are made from canvas or other durable cloth. They can be washed if they get dirty & they can be used for years, saving natural resources and keeping pollutants out of the environment. With many grocery stores starting to charge for plastic and paper bags, reusable bags can be folded and carried in a purse or pocket for shopping. Have them available whenever go to shopping, & don't settle for those two choice the cashier offers.

Instead, do yourself and the planet a fever whip out your reusable and say?

"There is a better Way".

Jyoti
B.Sc Final (Non Med.)
Roll No. 2994220017

Effect of a College Environment on Student Health

When we go away to college, our life changes dramatically we are forced to make changes in our lives in order to adopt to college life. This is not necessary for the university to monitor a students eating habits bur rather to get the student acquainted with the campus and the other people living there.

College is a fast changing environment and fast food caters to college students. In this fast paced environment, students more often than not neglect their health and personal hygienics and the consequences range from obesity to deadly eating disorder.

It is a well-known fact among college students that one grains fifteen pounds during the first year of college life women are the main target of this students but men are also affected, when everything around a person must also change. studying that person must also change. Studying based and writhing many paper goes hand in hand with eating pizza, drinking beer and going for days with for their entire life can get pulled into this lifestyle very easily. It seems that almost everyone on the campus live like this and when you look at the student's schedule, eating healthy would almost take too mush time.

Achieving perfect body become an obsession and students will do anything to attain it. They will starve themselves, take diet pills work out for several hours a day etc. college lite can be very stressful .

Some Suggestion

1) Health facilities co-located with colleges.
2) Extended colleges provided sports clubs.
3) Design by catering to provide healthy locally grown food.

Himani
B.Sc Final
Roll No. 2994220009

COMMERCE SECTION

Online Education

Introduction :

Online education is a medium of education in which teachers and students study from their homes through the internet instead of sitting in the school classroom and looking through the blackboard

Due to the increasing threat of the corona period all educational institution have been closed due to the lookdown in the whole world Students have got strong support for online education to continue their education

To take online education, children must have a good internet connection and a computer, laptop or smart phone through online education, a teacher can provide the best education to his students sitting in his home or any corner of the world. Teacher can connect with their student's through apps like zoom, Skype, Google classes etc.

*** Why is online education necessary ?**

Necessary of online education have been increased due to the lockdown and outbreak of the corona. Offline mode of education was completly failed in corona period. For continuing the students education & preparation of competitive exams. Online education was most appropriate mode. It has some difficulties in initial period but after some time teacher and students overcome this problem.

*** Benefits of online education :**

Students can get education from their own country and foreign country educational institutions.

* It is a time saving process because students can be educated by sitting at home along with this, it is money saving & time saving process.

* It provides remedies related to topic, if a student does not understand some topic during online class, then he can clear his doubts by listening to recording again.

* It is also helpful in preparation of competitive exams.

* Today, classes related to cooking, sewing drawing, painting etc.

*** Disadvantages of online education :**

There are many drawbacks of online education.

1. Many students in the country belonging to economic poor section. These students do not have computer or smart phones.
2. Despite having computer or smart phones, there is a problem with internet connection.
3. Internet facility is not yet available in many villages of India.
4. In practical subject it is quit complicated.

Conclusion :- In short we can say that online education have its own advantages and drawbacks. But in corona time online education was the only single alternate to continue education and interact with students.

Surender Kumar
Asstt. Prof. Commerce
Editor (Commerce Section)

Effect of Demonetization On Indian Economy

History :

The whole country was taken a back when P.M. Sh. Narender Modi on Nov. 8th, 2016 announced that the currencies in the denominations of Rs. 500 and Rs. 1000 will be invalid mid-night a look into the past will make you realize that India is no new to demonetization. Demonetization has been implemented twice.

* In 1946, the currency note of Rs. 1000 and Rs. 10000 are removed from circulation. The ban really did not have much impact.
* In 1978, P.M. of India Morarji Desai announced the currency ban taking Rs. 1000, Rs. 5000 and Rs. 10000 out of circulation. The sole aim of the ban was to curb black money generation in the country.
* New initiative of demonetization.
* On 8 Nov. 2016 the Govt. of India announced the demonetization of all Rs. 500 and Rs. 1000 block notes.
* The BSE Sensex and Nifty 50 stock indices feel over 6% on the day after the announcement.

Impact on Indian Econmy.

* Agriculture Sector - Indian agriculture sector are heavily dependent on cash and were adversely affected by demonetzation.
* GDP Growth - GDP growth rate for financial year 2016-17 by 0.5 to 3% due to demonetization.
* Business - By the second week after demonetization of Rs. 500 and Rs 1000 bank notes, cigaratte sales across India witnessed a fall of 30-40% while e-commerce companies 30% decline in cash on delivery orders.

Drop in industrial output - The growth in eight core sector such as cement, steel and refinery products which constitute 38% of index of Indian Industrial production, was only to 4.9% in Nov. as compared with 6.6% in Oct. 2017.

Reena M.Com - II
(Student Editor)
Roll No. 220042168013

Online Shopping

Online buying and selling have become important parts of many people's lives. Online market place provide a new and more convenient venue for exchanging virtually all types of goods and services. Both business and customers have embraced online sales as a cheaper and more convenient way to shop. Just like anything associated with the Internet there are benefits and dangers associated with shopping online. There are a lot of benefits gained from buying and selling online. Advantages of online shopping is as follows. Convenience, cost savings, variety, No Pressure, Easy comparison etc. With the benefits of online shopping there were also some effects of online shopping. Thus, disadvantages of online shopping are as follows:

Increased Risk of identity theft, vendor fraud while shopping online. It is essential to protect yourself and your information . Some tips that can help you take care of yourself. Invest in technology. Be careful research, shipping check.

Prerna

Protecting and Mobilizing youth in Covid-19 Response

The Covid-19 Pandemic has resulted in severe economic and social impacts around the world. Young people are particularly vulnerable to the disruptions the pandemic has caused and many are how at risk of being left behind in education, economic opportunities, and health and well being during a crucial stage of their life development young people are more likely to be unemployed or to be in precarious job contracts and working arrangements, and thus, lock adequate social are responding to the crisis though public health promotion, volunteering and innovation. Young people will form a key element in an inclusive recovery and the achievement of the sustainable development. Goals during this decode of action. However, the response and recovery must be done in way that protect the human rights of all youth.

Shresth
B.Com (First)
Roll No. 1210421003064

Deprecation of Indian currency in the current economic scenario

While noticing depriciation of Indian Rupees in May 2018 we have gone through many articles portray many confounding reasons and factors, to an extent it is essential to mention those in this paper before giving our insights and views.

According to Indian exporters, imported goods for major exports our not getting expensive and the benefits of rupees weakening due to commodity and service tax (GST) pending refunds. The value of the Indian rupees has cried off by 15 percent compared to the beginning of this year in 2018. The last six months have been a continuos drop in the value of the rupees which lasted a consecutive long after 2002. The rupees has reached 74.28 against the dollar at this paint of in first week of october, 2018. Usually advantage of declining currency is that exporters gain on several expects because the export of goods is competitive as compared to competitive countries.

As in the view point the president of the federation of Indian export organization FIO, mentioned in one his articles contrary to the prevailing common belief this time, the exports are not going to be profited out of the rupees. People have a perception that the exporters are already hedging their risks while exporters are tanking loans in foreign currency and are being asked to pay the cash according to the current exchange rate. Exporters still have to meet Rs.10,000 crore from 8,000 integrated GST refunds.

Tina
B..Com
Roll No. 1210421003010

The significance of E-commerce in emerging Markets

Needless to mention, the significance of the internet and its wage in today world of skyrocketing the increasing wage of mobile deices has enabled customers to purchase anything from anywhere. Evidently the future of commerce is headed online. As e-commerce is replacing other traditional commerce models to provide seamless servites and consumer experience, there has been a significant reduction in operational costs. If commerce are willing to fear the ohiping is possible in e-commerce.

Upcoming trends in e-commerce will have the path for successful lowing venture and economic development.

This platform allows were to conduct a comparative a nalysis and purchase and item at the bent reliable price.

This doesn't just inculcate awareness and transparency but also inculcates sense of achievement among the consumers when they save a penney. The clarity in communication between portals and customers further streamlines the process.

Apart from these listed benefits, it also involves some threats usually involve a breach of customer trust and voatile economy. The failure of e-commerce business is rare, but not absent. It also refleets on the reliability of a platform when cross border trading is undertaken. Prioritizing customer satisfaction is the key to the success of a e-commerce business.

E-commerce has an integral role to play in helping businesses enhance reach andsclability.

Ritu
B.Com 1st
Roll No. 1210421003016

Effect of GST On Middleman

GST is an indirect tax which has replaced many other indirect taxes in India which used to exist before the Goods & Services tax act was passed in the parliament on 29th March. 2017. The act came into effect on 1st July, 2017. Goods and services tax law in India is a comprehensive, multi-stage, destination-based tax that is levied on every value addition.

GST affected middlemen directly as with the GST implementation, the bracket & will have to pay taxes for the very first time.

Being the middleman they make gains from unbilled goods that do not attract VAT for instance, if a product which should have cost the wholesaler Rs. 112.5 assuming 12.5% VAT and Rs. 100 product cost) it will cost him only Rs. 100, so it was a profit for the wholesaler. With introduction of GST they have to pay tax at every level. This lead to an increase in compliance costs and taxation for them.

The result of GST at every level distribution chain mode the companies to think over their direct network to reach retailers.

GMCG (Fast Moving Consumer Goods) Companies such as Emami, Dabour and Bajaj corporations that totally relied upon layers up middlemen are now setting up their direct network to reach the retailers.

Now a days, the wholesale sector is undergoing a major change in the way they do business. The implementation of GST has reduced the cost advantage of wholesalers drastically. They are in very big loss.

Muskan
B.Com Ist

Impact of GST On Indian Economy

Goods and services Tax (GST) is consumption based tax and depends on the purchasing power of consumer. The purchasing power of consumer. The purchasing power of Consumer basically depends on employment and employment depends on economy. The tax came into effect from 1July 2017 through the implementation of the One Hundred and First Amendment of the constitution of India by the Indian Government. The GST replace existing multiple taxes levied by the central and state Governments. The GST bill, also reffered to as the constitution (One Hundred and Twenty Second Amendment) Bill, 2014. It intitiates a value added tax to be implemented on India Level. The Goods and services Tax will be an indirect Tax. It will be levied at the stages of production to bring about uniformity in the system.

Objectives of GST -

* Important objective of GST is to create a common market with uniform tax rate in India. (One Nation, One Tax, One Market).
* To eliminate the cascading effect of taxes, GST allows set-off of prior taxes for the same transactions as input tax credit.

To boost Indian exports, the GST already collected on the inputs will be refunded and thus there will be no tax on all exports.

* To increase the tax base by bringing more number of tax payers and increase tax revenue.

Effect Of Gst On Different Sector Of Economy -

* Export-import sector
* Impact of GST on Business
* Iron and Steel
* Entertainment industry
* Hotel and Tourism
* Other Sector of Economy - Automobile Sector, Textile Industries, Startups, Telecom Sector

Effect of Export and Import Sector : Before the enforcement of the Goods and Services Tax (GST), Export and Import were controlled by the Service Tax, Value Added Tax, Excise Duty and Customs Duty. All these taxes were merged into one, when GST was introduced.

Effect of GST on Business : The medium and small enterprises are more affected by GST. These are under liability to pay the various taxes.

Effect of Iron and Steel : Excise Duty, value added tax, central sales tax those three types of taxes are applied or imposed on the manufacturing on iron and steel. Now they were liable to pay only one tax when GST was imposed.

Effect On Entertainment Industry : The entertainment sector pays many taxes before the enforcement of GST. They are not limited to one tax.

Effect Of GST On Hotel and Tourism : Every State Government keeps on promoting the tourism of their state by different advertisements. The GST is always differs for the hotels because of the tariffs.

CONCLUSION : The main objective of the Government is to bring, India in an umbrella of one tax promoting the "One Nation One Tax" system. With the imposition of GST was a big task in a country like India. In this system, where new changes are not easily accepted. It was a very complicate system to understand at first but later it is coming out as a long term benefits for the country.

Tamanna
B.Com 1st

भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोविड-19 का प्रभाव

कोरोना वायरस के तेजी से प्रसार को देखते हुए पूरी दुनिया इसके प्रभावों का सामना कर रही है। दुनिया की प्रमुख व्यवस्थाओं के साथ-साथ भारतीय अर्थव्वस्था (Indian Economy) भी गंभीर रूप से से प्रभावित हुई है। लोगों पर व्यक्तिगत एवं बिजनैस पर महामारी का गहरा असर हुआ है। कुछ कारोबारों के लिए तो विनाशकारी परिणाम हुए हैं। उम्मीद है कि आने वाले कुछ महीनों में देश में सब कुछ पूरी तरह से ठीक हो जाएगा। उससे पहले यह जानना जरूरी है कि पिछले कुछ महीनों में क्या-क्या हुआ।

फ्री मूवमैंट पर पाबंदी से सेवा सैक्टर पर प्रभाव - वायरस फैलने के बाद राज्य सरकारों ने लॉकडाऊन लगाये और इससे फ्री मूवमैंट पर पाबंदी लगी जिसका सबसे बड़ा प्रभाव सेवा क्षेत्र पर पड़ा है। इसने बेरोजगारी बढ़ाई है क्योंकि लोग सार्वजनिक परविहन के माध्यम से अपने कार्यक्षेत्र तक यात्रा नहीं कर पा रहे थे। इसके अलावा भारत में रोजगार का एक बड़ा हिस्सा असंगठित क्षेत्र में काम करता है। लॉकडाऊन की वजह से काम की कमी ने प्रवासी मजदूरों को अपने गांव-शहर यानि गृह नगर लौटने को मजबूर किया।

वर्क फ्रॉम होम कल्चर विकसित हुआ - इस प्रकोप के कारण 'घर से काम' और 'कहीं से भी काम करने' के तरीका विकसित हुए जिससे सोशल मिडिया सोशल डिस्टैन्सिंग के मानदंड में बदलाव हुआ। यह कोविड-19 से पहले अकल्पनीय था, क्योंकि लोगो को अपना काम शारीरिक रूप से प्रस्तुत होकर करना पड़ता था। यह संगठन और कर्मचारियों दोनो के लिए पॉजिटिव रहा। क्योंकि इसने कंपनियों को अपने फिक्स ओवरहेड्स को कम करने की अनुमति दी है, जबकि कर्मचारियों को अपना समय बचाने में मदद हुई है। क्योंकि वे अब अपने गृहनगर में रह रहे हैं।

हैल्थ और फार्मा क्षेत्र में भी इनोवेशन - हैल्थ सैक्टर में भी स्थिति इसी तरह की बनी है। हैल्थ और फार्मा क्षेत्र में स्टॉक की कीमतों वृद्धि देखी गई। क्योंकि कंपनियाँ बड़ी मात्रा में बिक्री करने में सक्षम हैथी। फार्मा और हैल्थ सैक्टर डिजीटल स्पेस का अधिकाधिक इस्तेमाल कर रही हैं क्योंकि ग्राहक मौजूदा स्वास्थ्य संकट के दौरान अपनी दवाओं स्वास्थ्य योजनाओं के लिए डॉक्टरों से परामर्श करने के लिए मोबाईल ऐप का उपयोग कर रहे हैं।

एफ.एफ.आई.आई. (FII) का प्रवाह बढ़ा - कोविड-19 संकट को सरकारों द्वारा केंद्रीय बैंकों ने मौद्रिक और राजकोषीय उपायों के साथ जवाब दिया है जो वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान चरम पर आने के समय घोषित की गई थी। इसके कारण विकसित अर्थव्यवस्थाओं में ब्याज दरें शून्य के करीब हैं। इससे वैश्विक तरलता में वृद्धि हुई। जिसके परिणामस्वरूप भारत सहित बड़े उभरते बाजारों में (FII) का प्रवाह आया क्योंकि हमें वित्त वर्ष 2021 में अब तक सबसे अधिक 2 लाख रूपये प्राप्त हुआ। इसने शेयर मार्किट में अपने ऑल टाईम हाई पर बेंचमार्क इंडेक्स ट्रेडिंग के साथ मजबूत बुलिश ट्रेंड का भी नेतृत्व किया है। बाजार में रिकवरी की प्रमुख विशेषताओं में से एक खुदरा बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है क्योंकि निवेशकों ने बाजारों में प्रवेश करने के लिए सस्ते मूल्यांकन का लाभ उठाया।

प्रवीण कुमार
बी.कॉम. - प्रथम वर्ष
रोल नं. 1210421003048

बिजनेस कैसे बढ़ाएँ ?

कोई भी बिजनेस लम्बे समय तक चलेगा ये सोचकर शुरू किया जाता है। बिजनेस को लम्बे समय तक चलाने के लिजए उसकी ग्रोथ पर विशेष ध्यान देना चाहिए ।

किसी बिजनेस को बढ़ाने के लाभ –

- वृद्धि के लाभ प्राप्त होते हैं।
- नए अवसर का लाभ प्राप्त होता है।
- बाजार में हिस्सेदारी में वृद्धि होती है।
- बड़ा ग्राहक आधार बनाना ।
- रिस्क कम होना ।

विकास की शुरूआत करना आसान नहीं है। इसके लिए बहुत सारी प्लानिंग तथा नियम बनाए जाते हैं।

1. **विश्लेषण करना –**

आत्म विश्लेषण के साथ शुरूआत करना आवश्यक है। अपने बिजनेस की ताकत और कमजोरियों को जानना चाहिए। क्या उत्पाद से उपभोक्ता सुतुष्ट है। बिजनेस में किन–किन समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। तकनीकी, मुद्दे, बिक्री वित्त से सम्बन्धित। इन प्रश्नों के उत्तर आपको अच्छा आधार देगें।

2. **मार्किट रिसर्च –**

अच्छे मार्किट का रिसर्च करना । छोटा व्यवसाय आमतौर पर स्थानीय रूप से संचालित होता है। अपने प्रतिस्पर्धियों को जाने, उनके मूल्य निर्धारण, पैकेजिंग आदि पर रिसर्च करें। बाजार में नया कौन सा उत्पाद है ? इसके बार में भी रिसर्च करें।

3. **फाइनैंशियल प्लानिंग –**

किसी भी बिजनेस के लिए फाइनेंशियल प्लान बनाना अति आवश्यक है। लेकिन शुरूआत कहाँ से करें ? पहला कदम फंड का आयोजन करें। आपको अपने अनुमानित विस्तार के लिए धन की व्यवस्था करनी होगी। अपने प्रस्ताव के साथ बैंकों आदि में सम्पर्क करें। आप बिजनेस लोन के लिए भी अप्लाई कर सकते हैं।

4. नकद प्रवाह –

आपके व्यवसाय की नियमित कार्यशील पूँजी के अतिरिक्त उधारी या विस्तार के कारण खर्च बाधित नहीं होना चाहिए। एक बिजनेस के लिए नगद प्रवाह कितना महत्वपूर्ण है इस बात को समझना चाहिए।

प्रोडक्शन नीति को अंतिम रूप देना –

विश्लेषण, सर्वेक्षण आदि ने आपको व्यवसाय का विस्तार करने के तरीके के बारे में स्पष्टता प्रदान की है। चाहे आप नई वस्तु या मौजूदा वस्तु का विस्तार करना चाहते है। तो आपको अपनी रणनिति लागू सही तरीके से करनी चाहिए।

अपने मार्केटिंग प्लान पर काम करना –

आपको अपने मार्केटिंग प्रदर्शन को बढ़ाना होगा। नए सेगमेंट/अधिक ग्राहक ढूंढना तथा अपने बिजनेस के ब्रांड मूल्य में सुधार । इसके लिए आपको सोशयल मिडिया का प्रयोग करना चाहिए। किसी भी प्रोडक्ट का उत्पादन करने से उसकी बिक्री नहीं

होती। जब तक की आप अपने प्रोडक्ट की जानकारी उपभोक्ताओं तक नहीं पहुँचाते हैं। तब तक आपके प्रोडक्ट को कोई नहीं खरीदेगा। क्योंकि उपभोक्ताओं को क्या पता कि मार्किट में क्या नया प्रोडक्ट आया है और उसके क्या फायदे हैं। उपभोक्ताओं तक जानकारी पहुँचाने के लिए अनेक माध्यक हैं और सबसे महत्वपूर्ण माध्यम विज्ञापन है। परन्तु विज्ञापन देते समय निम्नलिखित पर ध्यान देना आवश्यक है :-

(1.)प्रोडक्ट की जानकारी -

आपको अपने विज्ञापन में अपने प्रोडक्ट की पूरी जानकारी देनी चाहिए कि आपके प्रोडक्ट की क्या क्वालिटी है तथा कितना फायदा होगा इस प्रोडक्ट को इस्तेमाल करने के बाद। आप अपने ग्राहकों के दिमाग में मौजूद सवालों का जवाब देने की कोशिश करें। आपको अपने प्रोडक्ट के बारे में अन्दर से बाहर तक सब मालूम होना चाहिए।

(2) प्रोडक्ट से अपने लगाव को शेयर करें -

प्रोडक्ट के लिए अपने लगाव को दिखाने के लिए काफी सो तरीके है।। बॉडी लेंग्वेज़ को नजरअंदाज न करें। आपको प्रोडक्ट की जानकारी देते वक्त आपने अपने एक्सप्रेशन को वैसे ही रखना चाहिए। इस तरह से ग्राहक को प्रोडक्ट के साथ आपका लगाव पता चलता है।

(3) ग्राहकों के मन में उठने वाले सवालों को पहचाने -

किसी भी नए प्रोडक्ट को लेकर एक ग्राह के मन में अनेक सवाल उठते हैं। आपको प्रोडक्ट के बारे में, ग्राहकों के मन में उठनेवाले सवालों के जवाब जरूर देने चाहिएं।

(4) प्रोडक्ट की खासियत -

ग्राहक की आवश्यकताओं को प्रोडक्ट की खासियत में बदलें। ग्राहक की आशाओं और इच्छाओं को प्रोडक्ट के साथ जोड़ना चाहिए। प्रोडक्ट के बारे में जितना हो सके सही बताएं, ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर न बताएँ। यदि आप प्रोडक्ट के बारे ज्यादा बढ़ा-चढ़ा कर बताते हैं तो तो हो सकता है कि एक बार तो आपकी बिक्री बढ़ जाए लेकिन यह लम्बे समय तक नहीं चलेगी। क्योंकि उपभोक्ता को जो विज्ञापन दिखाया गया था प्रोडक्ट उससे काफी अलग है तो उपभोक्ता अगली बार आपका प्रोडक्ट ही नहीं खरीदेगा। इसलिए आपको अपने प्रोडक्ट के बारे में सही जानकारी ग्राहकों को देनी चाहिए।

(5) प्रोडक्ट को लेकर ईमानदार रहें -

आपको ऐसा नहीं करना चाहिए कि आपकी बिक्री बढ़ते ही आप अपने प्रोडक्ट की क्वालिटी में कमी कर दें। आपको अपने प्रोडक्ट को लेकर ईमानदार रहना चाहिए ताकि ग्राहक आपके प्रोडक्ट को लम्बे समय तक प्रयोग कर सकें।

(6) प्रोडक्ट की मार्केटिंग -

किसी भी नए उत्पादक को ग्राहकों तक पहुँचाने के लिए मार्केटिंग करना चाहिए। मार्केटिंग करने के कई तरीके हैं - सोशल मिडिया, रेडियो, टेलिविजन, मैगजीन्स आदि।

किसी भी प्रोडक्ट कि बिक्री बढ़ाने के लिए कई प्रकार के ऑफर दिए जाते हैं। जैसे कि यदि आप शैम्पू के साथ कन्डश्नर फ्री दे सकते हैं या आप पहले पैकिंग में 4 मि.ली. शैम्पू दे रहें है और अब 50 प्रतिशत अधिक दे रहे हैं और अब यह पैकिंग 6 मि.ली. कर दी है। अर्थात 50 प्रतिशत से ज्यादा दे रहे हैं। इन तरीकों को अपनाकर हम अपना बिजनैस बढ़ा सकते हैं।

कृष्ण गुप्ता
बी.कॉम. - प्रथम वर्ष
रोल नं. 1210421003041

मोबाइल फोन

'' मोबाइल टेक्नोलॉजी का अदभुत है उदाहरण
अहम हिस्सा बनकर इसने बदला सबका जीवन''

भूमिका:- मोबाइल फोन आज हमारे जीवन का एक मुख्य हिस्सा बन चुका है इसके बिना जीवन की कल्पना बिल्कुल असम्भव है। आज जीवन के अभित्व अंग के रूप में मोबाइल फोन सुबह से लेकर रात तक इंसान का साथी बन चुका है चाहे वयस्क हो चाहे वृद्ध हर किसी को यह बेहद जरूरी लगता है बच्चों को तो जैसे मोबाइल फोन की आदत ही लग चुकी है। जरूरत के साथ साथ मोबाइल फोन आधुनिकता का भी प्रतीक बन चुका है।

मोबाइल फोन का परिचय : मोबाइल फोन का अक्सर सेल्युलर फोन भी कहा जाता है यह मुख्य रूप से वायॅस काल लिए उपयोग किया जाने वाला उपकरण है। धीरे-धीरे तकनीकी प्रगति के साथ मोबाइल फोन में भी नए-नए फीचर्स जुड़ते जा रहे है, जिनके माध्यम से इसने हमारे जीवन को आसान बना दिया है आज मोबाइल फोन विभिन्न आकृति और आकारों में उपलब्ध है इनमें कई तकनीकी फीचर्स है, जैसे- वाइॅस कॉलिंग, वीडियो चैटिंग, टेकस्ट मैसेजिंग, इंटरनेट ब्राउजिंग, ई-मेल आदि इसलिए इसे स्मार्ट फोन कहा जाने लगा।

जीवन का अभिन्न अंग : मोबाइल फोन हमारे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बन गया है एक बेहतर जीवन क लिए मोबाइल फोन की उपयोगिता को नकारा नहीं जा सकता मोबाइल फोन हमारे रोजमर्रा के जीवन में कई तरीकों से हमारी मदद करता है जिससे हमारा जीवन आसानन और सुविधाजनक हो जाता है आज एक मोबाल फोन की मदद से हम दुनिया भर में किसी से भी बात कर सकते है या वीडियो चैट कर सकते है। इसमें अलार्म-घड़ी और कैलकुलेटर की जगह तो आते ही ले ली थी। लेकिन मोबाइल फोन विद्यार्थियों का डिजिटल क्लासरूम बन जायेगा यह शायद ही किसी ने सोचा होगा। वास्तव में, कोरोना महामारी जैसे कठिन समय में इसकी महत्वपूर्ण भूभिका रही है।

बेशक आधुनिक जीवन में मोबाइल फोन बेहद उपयोगी है परंतु मोबाइल फोन के लाभ और हानियां दोनो ही है।

मोबाइर्ल फोन के लाभ:

(1) मोबाइल फोन हमें दोस्तों, रिश्तेदारों से दूर होते हुए भी वॉइ कॉल और वीडियो कॉल के माध्यम से जोड़े रखता है।

(2) मोबाइल फोन हमें सोशल मीडिया के जरिए पूरी दुनिया के बारे में अपडेट भी रखता है।

(3) मोबाइल फोन के दैनिक जीवन की गतिविधियों जैसे- कि बैकिंग कार्य, कैब बुकिंग,रेल, बस व हवाई टिकट बुकिंग मैप देखना, बिल का भुगतान करना आदि को बेहद आसान बना दिया है।

(4) मोबाइल फोन पर लाइव ट्रैफिक स्थिति कार आकलन आसानी से किया जा सकता है।

(5) मोबाइल फोन के माध्यम से वीडियो गेम्स भी खेले जा सकते है।

मोबाइल फोन की हानियां :

(1) मोबाइल फोन के आदि हो जाने के कारण लोग बिना आवश्यकता के भी नेट सर्फ करते रहते है और गेम खेलते है जिससे समय बर्बाद होता है

(2) जैसे-जैसे मोबाइल फोन स्मार्ट होते गए, वैसे-वैसे लोग सुस्त होते गए।

(3) मोबाइल फोन के कारण लोगों के बीच मिलना-जुलना भी कम हो गया है जिससे सोशल मीडिया के जमाने में इंसानें

में वास्तविक सामाजिकता को कमी आ रही है।

(4) कई बार सड़कों पर चलते वक्त या गाड़ी चलाते वक्त फोन का प्रयोग भीषण दुर्घटनाओं का कारण बन जाता है।

(5) मोबाइल फोन के कारण आजकल साइबर-क्राइम का खतरा भी बहुत ज्यादा बढ़ गया है।

''हो रही जेल, बंद हुई खुली उड़ान
अब मोबाइल से हसंता, मोबाइल से रोता इंसान''

निष्कर्ष -एक मोबाइल फोन का हमारे जीवन पर प्रभाव सकारात्मक पड़ेगा या नकरात्मक यह उपयोग करने वाले पर निर्भर करता है चूंकि मोबाइल एक उपयोगी वस्तु है, अत: इसे अनुचित तरीके से उपयोग करने के बजाय सावधानीपूर्वक उपयोग में लाना चाहिए। चाहे बड़ा हो या बच्चा, मोबाइल का जरूरत के अनुरूप सीमित प्रयोग ही सभी के लिए बेहतर है। हर समय इसको अपने पास रखकर बिना किसी मतलब के चलाते ही रहने से इसकी लत लग सकती है।

''मोबाइल फोन का करो सीमित प्रयोग,
लत है इसकी बुरी ना करो दुरूपयोग।''

मोबाइल फोन का अविष्कार तो हमारी जरूरत को ध्यान में रखकर की किया गया था परन्तु आज यह आधुनिकता व स्टेट्स का प्रतीक बनता जा रहा है। किसी भी चीज की अति खराब होती है यह बात मोबाइल फोन पर भी लागू होती है अगर इसका उपयोग सावधानी एवं समझदारी से किया जाये तो यह हमारे लिए हर क्षेत्र में लाभकारी सिद्ध होगा।

''मोबाइल विज्ञान का ऐसा अविष्कार है,
जिसने डिजिटल का दिया उपहार है।
महामारी के दौरान बना शिक्षा की पतवार है,
बिन इसके अब जीवन की कल्पना ही बेकार है।''

चमेली
बी. कॉम. प्रथम वर्ष
रोल नं. 1210421003003

NCC

NCC is a strange sense of courage, discipline and pride among many of us. My personal motivation to join the NCC was to experience the thrill of being of half soldier. NCC teaches us unity and discipline. It prepares cadets for the worst conditions. NCC cadets help in rescuing people in natural calamities. The National Cadet Corps is the youth wing of Indian armed forces. It is a tri service organization comprising of the Army, Navy and Air Wing. Its moto was taken from the 12th CAC meeting held on 12 october 1980. The current Director General of NCC is Lt. Gen. Gurbirpal Singh. NCC has its own flag. It is the largest youth organization containing more than 14 lakh cadets. The NCC crest in gold. In the middle with the letters "NCC" encircled by a wreath of 17 lotus with a background of Red Blue and Ligh Blue. NCC aims at developing leadership, commandship, discipline, team spirit courage and confidence.

Mohit Kumar
Roll No. 2994210053

MY PERSONAL EXPERIENCE IN NCC

Hello everyone,

I am cadet pankaj, Here I am sharing my personal experience about NCC when I joined the college. I didn't know anything about NCC, but when I saw the NCC cadet in uniform in the College, I liked it very much and I thought of taking NCC. Finally, I the form, but on selection time, I got sick. But a friend got my name in enrollment and unfortunately I cleared physical and interview and I selected in NCC. when I weared my uniform first time, an another personality of mine was arrived. In the camp, I learned about unity and discipline. I had a lot of fun at camp and learned a lot. I made many friends there who are still with me. I had learned there about comandship, leadership and more about a soldier life. After the camp I learned more completely changed my life. Currently I am in final year of NCC and I will have 'C' Certificate exam in february and in this remaining time, I want to know more about NCC so that it can be useful for my work in the future. And in the last I would like to say that my life has completely changed after join NCC.

"I may like many outfits, but I love only one of them that's 'KHAKHI'

Pankaj (Cadet)

NCC - The Way of Life

NCC (National Cadet Corps) is a voluntary organization which recruits cadets from high schools, college and universities all over India. The cadets are given basic military training in small arms and prade. It was raised on 15 July 1948 in India. During the 1965 and 1971 wars with Pakistan, NCC Cadets were the second line of defence. They organised camps to assist the ordinance factories, supplying arms and ammunition to the front and also were used as patrol parties to capture the enemy paratropers.

Motto of NCC :

Unity and discipline (Ekta aur Amushasan)

Four Carinal Principals of Discipline

Obey with a smile
Be Punctual
Work hard and without fuss
Make no excuses and tell no lies.

Aim of NCC

To develop qualities of character,

Courage, comradeship, Discipline, Leadership, Secular Outlook, Spirit of adventure and sportsmanship and the ideals of selfless service among the youth to make them useful citizen.
To create a human resource of organized trained and motivated youth to provide leadership in all works of life including the armed forces and be always available for the service of the nation.

"NCC is the model of youth organization and It will lead the best way of life."

Pankaj (Cadet)

BENEFITS OF BEING NCC CADET

To be an NCC Cadet is like being unique. It teaches you many things which we don't learn in our ordinary life. NCC teaches one to be hardworking dedicated, punctual and above all an achiever. It inculcates the attitude of never giving up, makes you optimistic and built a lot of self confidence character discipline the spirit of adventure and ideals of selfless service amongst youth citizens camp training introduce cadets to a regimented way of life and helps in developing team work leadership qualities, self confidence and dignity of labor. Through camps, cadets from all parts of the country work together and contribute greatly towards promoting national integration. Cadets also gets an opportunity to fire their authorized ammunition and get trained in physical fitness and First-Aid.

Ncc also organizes community development programmes which includes blood donation, adult literacy, anti-drug, tree plantation programme, etc, making young people conscious and sensitive to the needs and problems of their fellow countrymen, enabling them to contribute meaning fully to enrich community life.

After all NCC cadets with 'C' certificate have the access in joining the Indian Armed Forces.

Anshul (Cadet)
Roll No. 2994210009

PLANING FORUM

Containing Rising Inflation India

The recent action of the Reserve Bankj of India (RBI) to raise the repo rate by 40 basis points and cash reserve ration(CRR) by basis points is a recognition of the serious situtation with respect to inflation in our country and the resolve to tackle inflation.

Inflation has assumed a menacing proporation in almost all countries. The situation is the worst in the United States where the consumer price inflation stood at 8.56% a level not reached for several decades. consumer price index (CPI) inflation India Stood (in March 2022) at 6.95% . It is expected to rise further in the coming months.

On the other hand, the wholesale price Index (WPI) inflation had remained in double digists since April 2021. The GDP implicit price deflator-based inflation rate for 2021 -22 is 9.6%.

Main Reasorns for increasing inflation in India...

1. The high rate of inflation in March 2022 is primarlily due to rise in prices of crude petrolium and natural gas, mineral oils, basic metals, etc. owing to disruption in the global supply chain caused by the Russia-Ukrane conflict.

2. On the other hand, the retail inflation rose mainly on account of rising prices of essential food items like 'oils and fats', vegetables and protein-rich items such as 'meat and fish'.

3. The sharp rise in commodity prices across the world is a major reason behind the inflation spike in India. This increasing the import cost for some of the crucial consumables, pushing inflation higher.

What is the impact of Higher inflation in India ?

Repo Rate :

- It is expected to push up interest rates in the banking system. Equated Monthly Installments (EMI) on home, vehicle and other personal and corporate loans are likely to go up.
- Deposit rates, mainly fixed terms rates are also set to rise.
- Consumption and demand can be impacted by the Repo rate hike.

Cash Reserve Ratio :

- The hike in CRR will suck out Rs. 87,000 crore from the banking system.
- It also means the cost of funds will go up and banks net interest margins could get adversely impacted.

What is Repo rate & CRR ?

Repo rate is the interset charged by the RBI when commercial banks borrow from them by selling their securities to the central bank.

Cash Reserve Ratio : The percentage of cash required to be kept in reserves as against the bank's total deposits is called the Cash Reserve Ration.

What can be done to contain inflation ?

A. Fuel duty cut :

Further duty cuts by some amount at least Rs 5 per litre according to experts.

It can likely lower the inflation by 15-20 bps.

It has immediate and secondary impact on electricity, transport cost.

B. Food Prices :

Crackdown on supply side if hoarding happens and Ease import limits on pulses, oil seed.

C. More duty cuts :

More duty cuts for edible oil imports is required, However, it was reuced from 19.25% to 13.75%.

D . Other measures :

a. Press for faster growth : 10% higher industrial output can ease retail inflation by 40 bps

b. Address supply bottlenecks

c. Boost income generating capacity to reuce burden on low income households

Kumari Bhateri

Asstt. Professor

अर्थशास्त्र का मंथन

अनंत इच्छाएँ, सीमित साधन है
मानव नित चिंतन करता है
क्षितिज बिन्दु बस यह जहाँ से
अर्थशास्त्र मंथन करता है।

जीवन क्रम में कदम-कदम पर
'निर्णय' के अवसर आते हैं
'मापदण्ड' रोबिंस इसी से
अर्थ क्रिया का फल पाते हैं।।

श्री रोबिंस महोद्य की ही
परिभाषा ने भेद मिटाये
अर्थशास्त्र की पृष्ठभूमि पर
मानवता के रूप दिखाये।।

अर्थशास्त्र के हीरे तो
वस्तु सत्य का ही अध्ययन है
झूठ काल्पनिक लक्ष्य यह तो
अर्थशास्त्र का उल्लंघन है।।

सादा जीवनोयच विचार का
कुछ मौलिक आदर्श बनाया
इच्छाओं का परित्याग हो
अर्थशास्त्र-उत्कर्ष बताया

बाहर के आकर्षण से तुम
अपने मन को दूर हटा लो
शिक्षा से मन को धोकर तुम
परमपूर्ण आनंद उड़ा लो ।।

शिक्षा पर ही रघुराम राजन कह गए
शिक्षा को बढ़ाना होगा
''देशो के बीच तो असमानता तो कम हो रही है,
लेकिन देश के अन्दर बढ़ रही है।
इस असमानता को दूर करने के लिए
शिक्षा को सर्व सुलभ बनाना होगा

'रूपया ऐसी चीज है जो मिलता केवल पसीने से
हमेशा कीमत घटती रहती इसकी
पर बढ़ाना मुश्किल है, हर कोई करता आदर इसका
किसी का तो यही दिल है...

बात जब आती डेविड हयूम की
जो मुख्य रूप से एक दार्शनिक थे
अधिक महत्व दिया उन्होनें भी मुद्रा पर
उनके ही विश्लेषण ने भेद मिटाये
और अपने अनुयायियों के लिए ज्ञान के सागर बटाए।।

डेविड रिकार्डो को एक महान अर्थशास्त्री समझाा जाता है
बने तो अपने समर्थकों और विरोधियों
दोनो के लिए प्रेरणा का स्त्रोत
रिकार्डो का मूल्य सिद्धान्त
आधुनिक समाजवाद का प्रारंभ जाना जाता है।

आरती (छात्र सम्पादिका)
बी.ए. - तृतीय वर्ष
रोल नं. 2993320082

सत्र 2021-22 में महाविद्यालय की गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

हरियाणा राज्य की इस गौरवमयी एवं प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था की स्थापना वर्ष 1968 में एजुकेशन सोसायटी हाँसी द्वारा की गई थी। 15 फरवरी 1980 को हरियाणा सरकार ने इसका अधिग्रहण कर लिया। 01 सितम्बर 1988 को वर्तमान भवन में कक्षाओं का शुभारम्भ हुआ। वर्तमान में महाविद्यालय में प्रयोगशालाओं सहित कुल 52 कमरे एक बहुउद्देशीय हाल, एक जिम्नाजियम हॉल एवं एक कान्फ्रेंस रूम है। महाविद्यालय में एम.कॉम, पी.जी.डी.सी.ए., पी.जी. डिप्लोमा इन योगा, बी.कॉम, बी.एस.सी. (नॉन मैडिकल) बी.एस.सी. ऑनर्ज (मैथ) एवं बी.ए. के पाठ्यक्रम हैं। जिनमें विद्यार्थियों की कुल संख्या 2012 है। महाविद्यालय में वर्तमान में 61 प्राध्यापक एवं प्राध्यापिकाएँ कार्यरत हैं।

पुस्तकालय - यह सर्वविदित है कि समृद्ध पुस्तकालय शिक्षण संस्थान का आवश्यक आधार होता है। पाठ्यक्रम से सम्बन्धित विषयों के साथ ही सम सामयिक विषयों सहित हमारे महाविद्यालय के पुस्तकालय में 22366 पुस्तकें उपलब्ध है। महाविद्यायल में 10 राष्ट्रीय समाचार पत्र एवं 10 पत्रिकाएँ नियमित रूप से पाठकों को उपलब्ध करवाई जाती है। पुस्तकालय पूर्णतया वातानुकूलित एवं समस्त आधुनिक उपकरणों से परिपूर्ण एवं समस्त विद्यार्थियों के लिए समुचित व्यवस्था से सम्पन्न है।

भित्ति पत्रिका - महाविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों की मानसिक संतुष्टि, कंला की पुष्टि एवं ज्ञानवर्धन हेतु भित्ति पत्रिका का प्रावधान है। इसके अन्तर्गत कविता लेखन, चित्रकला, कार्टून, व्यंग्य आदि में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने अपनी कला का इस सत्र 2021-22 में सुन्दर एवं सकारात्मक प्रदर्शन किया है।

शैक्षिणिक उपलब्धियाँ - अपनी शानदार परम्पराओं को कायम रखते हुए विगत वर्ष की भाँति इस वर्ष भी हमारे महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय परिक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। हमारे महाविद्यालय के पी.जी.डी.सी.ए. कक्षा के विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के सर्वोच्च तीनों स्थानों पर रहकर सराहनीय प्रदर्शन किया, मोनू ने 1600 अंकों में से 1506 अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान, प्रियंका ने 1423 अंक प्राप्त करके द्वितीय स्थान एवं शिवम गोयल ने 1407 अंक प्राप्त करके तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार बी.सी.ए. की छात्राओं पायल एवं मानवी 700 में से 601 अंक प्राप्त करके संयुक्त रूप से विश्वविद्यालयमें प्रथम स्थान प्राप्त किया।

विषय परिषद - महाविद्यालय में सभी विषयों की परिषदें हैं जो वर्षभर सक्रिय रहती है। दिनांक 16-09-2021 को हिसार के जाट महाविद्यालय में ऑजोन दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में हमारे महाविद्यालय के भूगोल विभाग के बी.ए. तृतीय वर्ष के छात्र गोबिन्द ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दिनांक 23-11-2021 को राजकीय महाविद्यालय भोड़ियाखेड़ा में आयोजित अर्न्तजिला विज्ञान प्रदर्शनी में हमारे महाविद्यालय के भूगोल विभाग का प्रदूषण जागरूकता पर आधारित मॉडल तृतीय स्थान पर रहा, जिसको प्रदर्शित करने वाले विद्यार्थी गोबिन्द तथा सुषमा थे। दिनांक 26-04-2022 को आर.के.एस.डी. कॉलेज कैथल में आयोजित राज्य स्तरीय प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में हमारे महाविद्यालय के भूगोल विभाग की टीम प्रथम स्थान पर रही। इस टीम के सदस्य विशाल, गोबिन्द तथा अंकित थे। इसका आयोजन Association of Punjab Geographers द्वारा किया गया था। इसी एसोसिएशन द्वारा दिनांक 14-05-2022 को राजकीय महाविद्यालय नारनौंद में आयोजित राज्य स्तरीय प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में हमारे महाविद्यालय की भूगोल विभाग की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य पर दिनांक 05/06/2022 को एसोसिएशन ऑफ पंजाब ज्योग्राफर्स द्वारा आयोजित अंतर राज्यीय भूगोल प्रश्नोत्तरी में हमारे महाविद्यालय की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस टीम के सदस्य विशाल, गोबिन्द एवं अंकित थे। उल्लेखनीय है कि इस प्रतियोगिता में उन टीमों ने भाग लिया था, जिन्होनें अपने-अपने राज्यों में क्षेत्रीय व अंतर क्षेत्रीय प्रतियोगिताओं में विजय प्राप्त की थी।

दिनांक 04/05/2022 को महाविद्यालय में अंतर महाविद्यालय सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें हिन्दी कविता पाठ, संस्कृत श्लोकोच्चारण एवं भूगोल प्रश्नोत्तरी आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में भूगोल

प्रश्नोत्तरी में हमारे महाविद्यालय की टीम दूसरे स्थान पर रही। कुमारी हर्षिता ने कविता पाठ में तथा कुमारी हिमानी ने संस्कृत श्लोकोच्चारण में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

दिनांक 8/12/2021 को All India Jat Heroes Memorial College Rohtak में आयोजित 9th Annual Inter College Mathematics Quiz contest में हमारे महाविद्यालय की गणित विभाग की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग की छात्रा आरती ने राजकीय महाविद्यालय पिल्लूखेड़ा में दिनांक 2/10/2021 को आयोजित राज्यस्तरीय ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

दिनांक 25/05/2022 से 30/05/2022 तक काठमाँडू (नेपाल) में आयोजित अंतरराष्ट्रीय 8MT Everest International Karate Championship में हमारे महाविद्यालय की पी.जी. डिप्लोमा योगा एंड मैंटल हैल्थ की छात्रा दीपशिखा ने स्वर्णपदक हासिल करके महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया । इसके अलावा इसी वर्ष दीपशिखा ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2021-22 (बैंगलोर) में शानदार प्रदर्शन किया था।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 21-09-2021 को "Feedback of Stakholders for the session 2020-21" तथा दिनांक 02/02/2022 को "How To Capture Geotagged Photographs" का प्रशिक्षण दिया गया। दिनांक 12/03/2022 को महाविद्यालय एवं J.M.D.S.S.G नामक N.G.O. द्वारा MU (Memorandom of understanding) sign किया गया।

महिला प्रकोष्ठ महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के चहुँमुखी विकास के लिए कार्यक्रम आयोजित करवाता रहता है। प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 29/01/2022 को 'महिला सशक्तिकरण' विषय पर ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई तथा दिनांक 08/12/2021 से 10/12/2021 तक वर्कशॉप फॉर ब्यूटीफिकेशन आयोजित करवाई गई।

कैरियर काऊंसलिंग ब्यूरो एवं प्लेसमैंट सेल - समसामयिक विषयों पर प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु समय-समय पर विद्यार्थियों को उचित मार्गदर्शन किया गया और रोजगार विषयक जानकारी प्रदान की गई।

सीखो व कमाओ - (Earn Whiole You Learn) सत्र 2021-22 में उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा 50000 रूपसे की अनुदान राशि प्रदान की गई और इस योजना के अन्तर्गत 37 विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

रेड रिबन कल्ब - इसका मूल उद्देश्य एच.आई.वी./एड्स की रोकथाम करना तथा सुरक्षित रक्त की उपलब्धता करवाना है। इस क्लब के सदस्य एच.आई.वी./एड्स के विषय में जागरूकता उत्पन्न करने तथा स्वैच्छिक रक्तदान करने के शुभ कार्य में संलग्न हैं।

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) - महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की दो इकाईयाँ कार्यरत हैं, जिनके द्वारा समय-समय पर विशेष कार्यक्रमों जैसे वृक्षरोपण, जल संरक्षण, सामुदायिक शिक्षा, स्वच्छता जागरूकताआदि का आयोजन किया जाता है। इस सत्र 2021-22 का साप्ताहिक कैम्प दिनांक 09/04/2022 से 15/04/2022 तक आयोजित किया गया। इसके अन्तर्गत स्वयंसेवकों ने उपरोक्त गतिविधियों के अतिरिक्त अनेक गतिविधियों जैसे योगाभ्यास, प्राथमिक चिकित्सा ट्रेनिंग, पर्यावरण जागरूकता आदि में भाग लिया। दिनांक 13/04/2022 को विशाल रक्तदान शिविर आयोजित करवाया गया जिसमें 148 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। इस प्रकार स्वयंसेवक पूरा वर्षभर सक्रिय भूमिका निभाते रहते हैं।

राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) - महाविद्यालय में एन.सी.सी. आर्मी विंग एक प्लाटून-।। हरियाणा भिवानी के अन्तर्गत कार्यरत है। इस समय इसमें 78 कैडेट (49 लड़के एवं 29 लड़कियाँ) हैं।महाविद्यालय के कैडेट्स से ने इस सत्र के दौरान महाविद्यालय में होने वाली गतिविधियों में सक्रियता से भाग लिया ।

शोक प्रस्ताव

महाविद्यालय के भूगोल विभाग में प्रयोगशाला सहायक श्री पवन कुमार की माताजी का निधन दिनांक 17/11/2021 को, अंग्रेजी विभाग में कार्यरत विस्तार व्याख्यता श्री विनोद कुमार की दादी जी का निधन दिनांक 06/12/2021 को, भूगोल विभाग के सहायक प्रोफेसर श्री संदीप कुमार की माताजी का निधन दिनांक 11/12/2021 को, महाविद्यालय के उपाधीक्षक श्री अनिल कुमार बामल की माता जी का निधन दिनांक 20/04/2022 को, भौतिकी विज्ञान विभाग में कार्यरत प्रयोगशाला सहायिका श्रीमती पूनम के ससुर का निधन दिनांक 14/05/2022 को तथा कम्प्यूटर विज्ञान विभाग में कार्यरत विस्तार व्याख्यता श्री सुरेन्द्र कुमार की माता जी का निधन दिनांक 07/06/2022 को हो गया था। महाविद्यालय परिवार समस्त शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदनाएँ प्रकट करता है एवं परमात्मा से दिवंगत आत्माओं को शान्ति प्रदान करने की प्रार्थना करता है।

ओउ्म शान्ति !

पूरे वर्ष मीडिया की नजर में महाविद्यालय

MON,06 JUNE 2022
EDITION: HISAR KESARI, PAGE NO. 2

राजकीय महाविद्यालय ने अंतर राज्यीय भूगोल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में पाया दूसरा स्थान

हांसी, 5 जून (भुटानी): रविवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एसोसिएशन ऑफ पंजाब ज्योग्राफर्स द्वारा आयोजित अंतर राज्यीय भूगोल प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में यहां के राजकीय महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने पूर्व की भांति बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान हासिल किया।

ज्ञात हो कि वर्ष 2019 में एसोसिएशन ऑफ पंजाब ज्योग्राफर्स द्वारा प्रथम अंतरराज्यीय भूगोल प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में भी राजकीय महाविद्यालय हांसी की टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त करके महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया था। आज की शानदार उपलब्धि के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राम प्रताप ने विजेता छात्रों के साथ पूरे भूगोल विभाग के प्राध्यापकों को बधाई दी।

अंतर राज्यीय भूगोल प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में हरियाणा व पंजाब राज्यों की उन टीमों ने भाग लिया, जिन्होंने अपने राज्यों में क्षेत्रीय व अंतर क्षेत्रीय प्रतियोगिताओं में विजय पताका लहराई थी। राजकीय महाविद्यालय हांसी की ओर से धर्मवीर,

विजेता छात्रों के साथ टीम इंचार्ज धर्मवीर तथा एसोसिएशन ऑफ पंजाब ज्योग्राफर्स के सदस्य। (भुटानी)

सहायक प्रोफेसर भूगोल के नेतृत्व में 3 विद्यार्थियों की टीम ने उपरोक्त प्रतियोगिता में भाग लिया।

इस टीम में विशाल, गोविन्द (बी.ए. तृतीय वर्ष) तथा अंकित (बी.ए. द्वितीय वर्ष) शामिल थे। इस टीम ने हरियाणा राज्य में आयोजित विभिन्न स्तर की प्रतियोगिताओं में बेहतरीन प्रदर्शन किया था, जिसके कारण ही इस टीम ने हरियाणा राज्य का प्रतिनिधित्व किया।

'एन.एस.एस. से समाज के प्रति त्याग की भावना पैदा होती है: बामल'

हांसी, 1 मार्च (भुटानी): राजकीय महाविद्यालय में एन.एस.एस. यूनिट 1 व 2 के द्वारा 7 दिवसीय शिविर का आज शुभारंभ किया गया। महाविद्यालय के कार्यकारी प्राचार्य शामेंद्र बामल ने झंडा फहराकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर शामेंद्र बामल ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना समाज कल्याण हेतु एक ऐसी मुहिम है, जिसमें स्वयंसेवक अपने समाज के कल्याण के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। इससे उनमें आत्मविश्वास बढ़ता है और समाज के प्रति त्याग की भावना पैदा होती है। इस शिविर में 50 लड़के व 50

झंडा फहराकर एन.एस.एस. शिविर का शुभारंभ करते कार्यकारी प्राचार्य शामेंद्र बामल। (भुटानी)

लड़कियां भाग ले रहे हैं। इस शिविर में 7 दिन तक अलग-अलग गतिविधियां की जाएंगी। इस अवसर पर एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी धर्मबीर सिंह व संतोष देवी, शिवरतन मित्तल, डॉ. बंता सिंह जांगड़ा, किशन पाल, कर्मबीर सिंह, बलजीत सिंह, डॉ. मुकेश कुमार, रजनी सैनी व डा. अलका सहित महाविद्यालय के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

पंजाब केसरी ई-पेपर Tue,02 March 2021
Edition: hisar kesari, Page no. 3

'आर.टी.आई. एक्ट के बारे दी जानकारी'

हांसी, 6 मार्च (भुटानी): राजकीय महाविद्यालय में एन.एस.एस. यूनिट 1 व 2 के द्वारा 7 दिवसीय शिविर के छठे दिन का शुभारंभ योगासन द्वारा किया गया। इस अवसर पर कानूनी शिक्षाविद् मलकीत ने आर.टी.आई. एक्ट के बारे में जानकारी दी तथा गरीब, असहाय व्यक्ति कानूनी मदद कैसे प्राप्त करें और महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति कैसे जागरूक रहें, इसके बारे में विस्तार से बताया।

इस अवसर पर रैडक्रॉस सोसायटी से चंद्र सिंह ने स्वयंसेवकों को प्राथमिक सहायता के बारे में जानकारी दी। इसमें उन्होंने बताया कि अगर कोई व्यक्ति कहीं पर भी घायल

अतिथि को स्मृति चिन्ह देते आयोजक। (भुटानी)

अवस्था में हो तो हमें किस प्रकार से उसका प्राथमिक उपचार करना चाहिए। इसके बाद उन्होंने प्राथमिक उपचार के विभिन्न तौर-तरीके भी सुझाए। इस अवसर पर महाविद्यालय के कार्यकारी प्राचार्य शामेंद्र बामल, डॉ. जोगिंद्र सिंह, महेंद्र सिंह, एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारी धर्मबीर सिंह, संतोष देवी, बलजीत सिंह व डॉ. मुकेश कुमार आदि मौजूद रहे।

पंजाब केसरी ई-पेपर Sun,07 March 2021
Edition: hisar kesari, Page no. 2

SUN,26 SEPTEMBER 2021
EDITION: HISAR KESARI, PAGE NO. 3

हांसी के राजकीय महाविद्यालय में एन.एस.एस. दिवस समारोह हुआ

हांसी, 25 सितम्बर (भुटानी): राजकीय महाविद्यालय में 52वें एन.एस.एस. दिवस समारोह का आयोजन किया गया। एन.एस.एस. प्रभारी सुशीला व धर्मबीर सिंह द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन करवाया गया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राम प्रताप ध्वजारोहण करते हुए। (भुटानी)

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राम प्रताप द्वारा ध्वजारोहण किया गया। प्राचार्य डॉ राम प्रताप ने युवाओं से आह्वान किया कि उन्हें हमेशा समाज सेवा व देश सेवा के लिए तत्पर रहना चाहिए। इस कार्यक्रम के दौरान शामेंद्र बामल, किशन पाल, कर्मबीर सिंह, डॉ रजनी सैनी आदि उपस्थित रहे।

प्लास्टिक वेस्ट एकत्रित करने के लिए विद्यार्थियों ने चलाया अभियान

हांसी | गवर्नमेंट कॉलेज के विद्यार्थियों ने प्लास्टिक वेस्ट एकत्रित करने को लेकर सघन अभियान चलाया। अभियान के तहत विद्यार्थियों ने उपमंडल परिसर, बस स्टैंड, बड़सी गेट समेत विभिन्न स्थानों पर प्लास्टिक वेस्ट एकत्रित किया। कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता को लेकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गंदगी के कारण अनेक प्रकार की बीमारियां फैलती हैं। इसलिए प्रत्येक नागरिक को अपने घरों के साथ-साथ आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता को प्राथमिकता देनी चाहिए।

कॉलेज के प्रथम यूनिट एनएसएस इंचार्ज धर्मबीर द्वितीय यूनिट सुशीला के नेतृत्व में विद्यार्थी विनय, रजत, रॉबिन, मुकेश, विक्रम समेत विभिन्न विद्यार्थियों ने अभियान चलाया।

एन.एस.एस. स्वयंसेवकों को संबोधित करती डॉ. रजनी सैनी। (भुटानी)

हांसी के राजकीय महाविद्यालय में डॉ. रजनी सैनी ने दिया व्याख्यान

हांसी, 27 अक्तूबर (भुटानी): बुधवार को राजकीय महाविद्यालय के प्रांगण में स्वच्छता सप्ताह के तीसरे दिन एक विस्तृत व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महाविद्यालय की पूर्व एन एस एस अधिकारी, प्राध्यापिका शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ रजनी सैनी रहीं। व्याख्यान का मुख्य विषय विद्यार्थी के जीवन में एन एस एस का महत्व रहा। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ रजनी सैनी ने राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर महाविद्यालय के कार्यकारी प्राचार्य शामेन्द्र सिंह बामल, एन एस एस अधिकारी धर्मवीर सिंह, सुशीला, डॉ. मधुलिका, राजेन्द्र कुमार, डॉ. मुकेश आदि मौजूद रहे।

WED,27 OCTOBER 2021
EDITION: HISAR KESARI, PAGE NO. 2

राजकीय महाविद्यालय के एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने निकाली स्वच्छता रैली

हांसी के राजकीय महाविद्यालय में स्वच्छता रैली को रवाना करते कार्यकारी प्राचार्य शामेन्द्र सिंह बामल। (भुटानी)

हांसी, 26 अक्तूबर (भुटानी): राजकीय महाविद्यालय के एन.एस.एस. के विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता सप्ताह के दूसरे दिन जागरूक स्वच्छता रैली निकाली गई। महाविद्यालय के कार्यकारी प्राचार्य शामेन्द्र सिंह बामल ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राजकीय महाविद्यालय के छात्रों ने इस जागरूक स्वच्छता यात्रा को राजकीय महाविद्यालय से जीन्द चौक, दिल्ली गेट, बड़सी गेट, उमरा गेट तथा भगत सिंह रोड से होते हुए वापस महाविद्यालय में आकर पूरा किया। विद्यार्थियों द्वारा नारों और स्लोगन के माध्यम से शहर के लोगों को वर्तमान में चल रही बीमारियों से बचाव के बारे में जागरूक किया। इस रैली में विद्यार्थियों के साथ एन.एस.एस. अधिकारी धर्मवीर सिंह, सुशीला सहित डॉ. बन्ता सिंह जांगड़ा, डॉ. रजनी सैनी, डॉ. मधुलिका, राजेन्द्र कुमार, डॉ. मुकेश, जितिन राणा आदि मौजूद रहे।

SUN,31 OCTOBER 2021
EDITION: HISAR KESARI, PAGE NO. 4

प्रश्नोत्तरी में विशाल, सचिन व रेखा की टीम रही प्रथम

प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। (भुटानी)

हांसी, 30 अक्तूबर (भुटानी): राजकीय महाविद्यालय में एन.एस.एस. द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव एवं राष्ट्रीय एकता को लेकर शनिवार को प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों की 6 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों से सामान्य ज्ञान से जुड़े प्रश्न तथा नियमों के बारे में पूछा गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विशाल, सचिन एवं रेखा की टीम प्रथम, रामचन्द्र, सुषमा एवं कपिल की टीम द्वितीय और आशीष, नमन, पूनम की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ कपिल कुमार, सुरेन्द्र, कुमारी मेगी ने निभाई। क्विज मास्टर की भूमिका धर्मवीर ने निभाई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राम प्रताप द्वारा विजेता विद्यार्थियों को मैरिट प्रमाण पत्र तथा प्रोत्साहन राशि दी गई तथा भविष्य में इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. राज कुमार, एन.एस.एस. इंचार्ज धर्मवीर सिंह एवं सुशीला सहित डॉ. मधुलिका, राजेन्द्र कुमार, डॉ. मुकेश आदि मौजूद रहे।

THU,28 OCTOBER 2021
EDITION: HISAR KESARI, PAGE NO. 2

एन.एस.एस. स्वयंसेवकों को संबोधित करती डॉ. रजनी सैनी। (भुटानी)

हांसी के राजकीय महाविद्यालय में डॉ. रजनी सैनी ने दिया व्याख्यान

हांसी, 27 अक्तूबर (भुटानी): बुधवार को राजकीय महाविद्यालय के प्रांगण में स्वच्छता सप्ताह के तीसरे दिन एक विस्तृत व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि महाविद्यालय की पूर्व एन एस एस अधिकारी, प्राध्यापिका शारीरिक शिक्षा विभाग डॉ रजनी सैनी रहीं। व्याख्यान का मुख्य विषय विद्यार्थी के जीवन में एन एस एस का महत्व रहा। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ रजनी सैनी ने राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर महाविद्यालय के कार्यकारी प्राचार्य शामेन्द्र सिंह बामल, एन एस एस अधिकारी धर्मवीर सिंह, सुशीला, डॉ. मधुलिका, राजेन्द्र कुमार, डॉ. मुकेश आदि मौजूद रहे।

गवर्नमेंट कॉलेज में पोस्टर मेकिंग में बीए द्वितीय की निशा रही प्रथम

हांसी | राजकीय महाविद्यालय के नेचर इंटरप्रिटेशन सेंटर और ज्योग्राफी डिपार्टमेंट द्वारा पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें महाविद्यालय एनएसएस और भूगोल विषय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका बबीता चौधरी, रेनू रानी व डॉ. एकता ने निभाई। प्रतियोगिता में निशा बीए द्वितीय ने प्रथम, प्रेरणा बीए द्वितीय ने द्वितीय एवं ममता बीए प्रथम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। आयोजन महाविद्यालय के कार्यकारी प्राचार्य शामेंद्र सिंह की अध्यक्षता में किया गया। महाविद्यालय एनएसएस अधिकारी सुशीला व स्टाफ सदस्य जितिन राणा, राजेंद्र कुमार, डॉ. मुकेश आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों ने चलाया प्लास्टिक वेस्ट एकत्रित करने का अभियान

हांसी, 28 अक्तूबर (भुटानी): राजकीय महाविद्यालय हांसी के विद्यार्थियों ने प्लास्टिक वेस्ट एकत्रित करने को लेकर वीरवार को सघन अभियान चलाया।

इस अभियान के तहत विद्यार्थियों ने उपमंडल परिसर, बस स्टैंड, बड़सी गेट समेत विभिन्न स्थानों पर प्लास्टिक वेस्ट एकत्रित किया। विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता को लेकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गंदगी के कारण अनेक प्रकार की बीमारियां फैलती हैं। इसलिए प्रत्येक नागरिक को अपने घरों के साथ-साथ अपने आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता को प्राथमिकता देनी चाहिए। राजकीय महाविद्यालय एन.एस.एस. इंचार्ज धर्मबीर व सुशीला के नेतृत्व में विनय, रजत, रोबिन, मुकेश, विक्रम आदि विद्यार्थियों ने प्लास्टिक वेस्ट एकत्रित करने का अभियान चलाया।

प्लास्टिक वेस्ट एकत्रित करने को लेकर अभियान चलाते हांसी राजकीय महाविद्यालय के विद्यार्थी। (भुटानी)

प्लास्टिक वेस्ट एकत्रित करने के लिए विद्यार्थियों ने चलाया अभियान

हांसी | गवर्नमेंट कॉलेज के विद्यार्थियों ने प्लास्टिक वेस्ट एकत्रित करने को लेकर सघन अभियान चलाया। अभियान के तहत विद्यार्थियों ने उपमंडल परिसर, बस स्टैंड, बड़सी गेट समेत विभिन्न स्थानों पर प्लास्टिक वेस्ट एकत्रित किया। कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता को लेकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गंदगी के कारण अनेक प्रकार की बीमारियां फैलती हैं। इसलिए प्रत्येक नागरिक को अपने घरों के साथ-साथ आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता को प्राथमिकता देनी चाहिए।

कॉलेज के प्रथम यूनिट एनएसएस इंचार्ज धर्मबीर द्वितीय यूनिट सुशीला के नेतृत्व में विद्यार्थी विनय, रजत, रोबिन, मुकेश, विक्रम समेत विभिन्न विद्यार्थियों ने अभियान चलाया।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विशाल सचिन और रेखा की टीम प्रथम

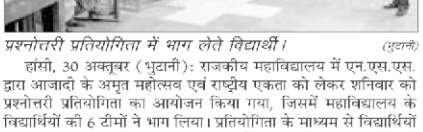

हांसी | राजकीय महाविद्यालय के एनएसएस द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव एवं राष्ट्रीय एकता को लेकर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों की 6 टीमों ने भाग लिया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों से सामान्य ज्ञान से जुड़े प्रश्नों तथा नियमों के बारे में पूछा गया। प्रतियोगिता में विशाल, सचिन एवं रेखा की टीम प्रथम, रामचंद्र, सुषमा व कपिल की टीम द्वितिय व आशिष, नमन, पूनम की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राम प्रताप, डॉ. राज कुमार एवं एनएसएस के इंचार्ज अधिकारी धर्मवीर सिंह, सुशीला व स्टाफ सदस्य डॉ. मधुलिका, राजेंद्र कुमार, डॉ. मुकेश आदि मौजूद रहे। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ. कपिल कुमार, सुरेंद्र व कुमारी मेगी ने निभाई। क्विज मास्टर की भूमिका धर्मवीर ने निभाई। महाविद्यालय प्राचार्य ने विजेता विद्यार्थियों को मैरिट प्रमाण पत्र तथा प्रोत्साहन राशि दी।

प्रश्नोत्तरी में विशाल, सचिन व रेखा की टीम रही प्रथम

प्रश्नोतरी प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। (भुटानी)

हांसी, 30 अक्तूबर (भुटानी): राजकीय महाविद्यालय में एन.एस.एस. द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव एवं राष्ट्रीय एकता को लेकर शनिवार को प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों की 6 टीमों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों से सामान्य ज्ञान से जुड़े प्रश्न तथा नियमों के बारे में पूछा गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विशाल, सचिन एवं रेखा की टीम प्रथम, रामचन्द्र, सुषमा एवं कपिल की टीम द्वितीय और आशीष, नमन, पूनम की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल की भूमिका डॉ कपिल कुमार, सुरेन्द्र, कुमारी मेगी ने निभाई। क्विज मास्टर की भूमिका धर्मवीर ने निभाई। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राम प्रताप द्वारा विजेता विद्यार्थियों को मैरिट प्रमाण पत्र तथा प्रोत्साहन राशि दी गई तथा भविष्य में इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर डॉ. राज कुमार, एन.एस.एस. इंचार्ज धर्मवीर सिंह एवं सुशीला सहित डॉ. मधुलिका, राजेन्द्र कुमार, डॉ. मुकेश आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों ने चलाया प्लास्टिक वेस्ट एकत्रित करने का अभियान

जाट कॉलेज में हुई भूगोल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

हिसार | छाजू राम मेमोरियल जाट कॉलेज हिसार में अंतर महाविद्यालय भूगोल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजन में प्रदेशभर से अट्ठारह महाविद्यालयों की टीम में भाग लिया। प्राध्यापक मनोज बूरा व सुदेश कुमारी ने प्रश्नोत्तरी मास्टर की भूमिका निभाई। मंच संचालन डॉक्टर वीना कुमारी ने किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान राजकीय महाविद्यालय हिसार, द्वितीय स्थान राजकीय महाविद्यालय हांसी व तृतीय स्थान राजकीय महाविद्यालय तोशाम ने प्राप्त किया। सभी विजेताओं को महाविद्यालय प्राचार्य डॉ बलबीर सिंह ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में विशाल सचिन और रेखा की टीम प्रथम

राजकीय महाविद्यालय के एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने निकाली स्वच्छता रैली

हांसी के राजकीय महाविद्यालय में स्वच्छता रैली को रवाना करते कार्यकारी प्राचार्य शामेन्द्र सिंह बामल।